दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

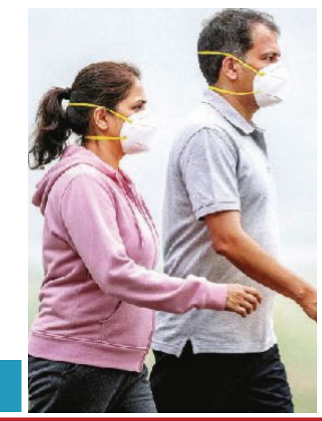

इन उपायों से कंट्रोल.......
बरकरार है वायु प्रदूषण का संकट...

वर्ष : 11 | अंक : 352 | लखनऊ, 12 दिसम्बर ,शुक्रवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c
न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g
चांदी 96/ g
संसेक्स 82,530.74
निफटी 25,062.10

बिना अनुमति खान की तस्वीरों का इस्तेमाल बैन

नई दिल्ली। डिजिटल दौर में अपनी पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अभिनेता सलमान खान ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने अपनी पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की व्यापक कानूनी सुरक्षा की मांग की है। सुनवाई जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने की।

हनुमानगढ़ में बवाल से 30 परिवारों ने घर छोड़ा

हनुमानगढ़। जिले में गुरुवार का दिन भी तनावपूर्ण बना रहा। यहां किसानों और विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि निर्माणाधीन एथेनॉल फैक्टरी के खिलाफ उनका आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं। हालात ये हैं कि फैक्टरी के पास रहने वाले 30 परिवार डर की वजह से अपने घर छोड़कर जा चुके हैं।

पंजाब में पुजारी के बेटे की कोर्ट परिसर में हत्या

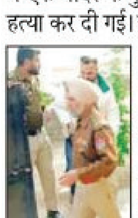

फाजिल्का। पंजाब के फाजिल्का में एक मंदिर के पुजारी के बेटे की हत्या कर दी गई। हत्या अबोहर के अदालत परिसर में हुई। मरने वाले का नाम गोलू पंडित था और वह अबोहर के जोड़ी मंदिर के पुजारी अवनीश पंडित के बेटे थे। गोलीबारी की यह घटना गुरुवार सुबह 10:30 बजे हुई और इससे घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

अनुराग ने लोकसभा में ई-सिगरेट पीने का आरोप लगाया

पूरे देश में इस पर प्रतिबंध के बावजूद टीएमसी सांसद ने सदन के नियमों का उल्लंघन किया

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान हिमाचल प्रदेश से निर्वाचित लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद पर गंभीर आरोप लगाए। अनुराग ने स्पीकर ओम बिरला से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की मांग की। इस पर स्पीकर ने उन्हें आश्वस्त किया कि किसी भी तरह के नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सदन के नियमों के अनुसार समुचित जांच कराई जाएगी। अनुराग ने प्रश्नकाल के दौरान कहा कि पूरे देश में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन संसद में तृणमूल कांग्रेस सांसद ई-सिगरेट पी रहे हैं। उनकी इस बात को गंभीरता से लेते हुए स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि संसदीय नियमावली के तहत इस घटना की जांच कराई जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि संसद की मर्यादा से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्पीकर से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की मांग की

बिरला ने समुचित जांच कराने की बात कही

लोकसभा में अपनी बात रखते अनुराग ठाकुर

स्पीकर से व्यवस्था पर की अपील

अनुराग ने दोपहर करीब 11.27 बजे प्रश्न पूछा। उन्होंने केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के मंत्री सीआर पाटिल से पूछा कि हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार ने तटीयकरण के लिए कितना फंड आवंटित किया? इसके बाद उन्होंने स्पीकर ओम बिरला से सदन की व्यवस्था से जुड़ा सवाल किया। ठाकुर को बिरला ने बताया कि कोई भी सदस्य स्पीकर से सवाल नहीं, अपील कर सकता है। इस पर भाजपा सांसद ने कहा कि वे सवाल नहीं कर रहे, आग्रह करना चाहते हैं।

सदने के नियमों को तोड़ा तो कार्रवाई होगीः बिरला

ठाकुर ने कहा कि देशभर में ई-सिगरेट बैन हो चुकी है। क्या सदन में इसकी अनुमति दी गई है? टीएमसी के सांसद कई दिनों से लगातार बैठकर पी रहे हैं। इसकी जांच करानी चाहिए। भाजपा सांसद की गंभीर आपत्ति पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि मैं सभी सदस्यों से फिर आग्रह करता हूं। हमें संसदीय परंपराओं और नियमों का अनुपालन करना चाहिए। कोई भी सदस्य ऐसा कोई विषय लेकर आएगा को निश्चित रूप से कार्रवाई होगी।

त्रिवेदी ने संसद में खोला इतिहास का 'अनसुना' पन्ना

आंबेडकर की हार पर नेहरू ने एडविना को क्यों लिखा पत्र? 34, 000 वोटों को क्यों किया रद्द?

चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को इतिहास का अनसुना पन्ना खोल दिया। त्रिवेदी ने कांग्रेस के शासनकाल और विशेष रूप से देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के एक पत्र का जिक्र करते हुए इतिहास की कई परतों को उधेड़ दिया। त्रिवेदी ने 1952 के पहले आम चुनाव का जिक्र किया। इस चुनाव में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर भी बॉम्बे (अब मुंबई) नार्थ सीट से चुनावी मैदान में थे। लेकिन, उन्हें इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें हराने वाले कोई और नहीं बल्कि कांग्रेस के उम्मीदवार नारायण काजोलकर थे। डॉ. त्रिवेदी ने दावा किया कि 34,000 वोट रद्द करके उन्हें 15,000 वोट से हरा दिया गया। इसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने एडविना माउंटबेटन को एक पत्र लिखा था। सुधांशु ने बताया कि नेहरू ने माउंटबेटन को पत्र लिखा था।

आंबेडकर के प्रति कांग्रेस का दृष्टिकोण बताया

त्रिवेदी ने कहा कि नेहरू ने कथित तौर पर यह भी लिखा था कि आंबेडकर हिंदू कम्युनिस्टों के साथ हाथ मिला रहे हैं। त्रिवेदी का तर्क था कि यह घटनाक्रम दर्शाता है कि उस समय कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व आंबेडकर के प्रति किस तरह का दृष्टिकोण रखता था?

पहली 'चुनावी याचिका' आंबेडकर ने दी कांग्रेस का कारनामा इतिहास में दर्ज

सुधांशु ने याद दिलाया कि भारत के इतिहास में पहली चुनावी याचिका किसी और ने नहीं, बल्कि स्वयं डॉ. आंबेडकर ने दायर की थी, क्योंकि उन्हें चुनाव प्रक्रिया और अपनी हार पर संदेह था। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो पार्टी आज लोकतंत्र और संविधान बचाने की दुहाई देती है, उसने अपने शासनकाल में संविधान निर्माता के साथ कैसा व्यवहार किया था? यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है?

बैलेट बॉक्स लूटने, बूथ कैप्चरिंग का दौर अब नहीं आएगा

सुधांशु ने कहा कि यह सब इंदिरा गांधी की चुनावी जीत पर अदालत में सवाल उठाए जाने का ही परिणाम था। अब बैलेट बाक्स, बूथ लूट नहीं लौट पाएगा।

बहराइच हिंसा मामले में फैसला

सरफराज को फांसी की सजा, 9 आरोपियों को आजीवन कारावास

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान राम गोपाल की हत्या की

बहराइच में हिंसा वाला स्थान

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उत्तर प्रदेश के बहराइच में 13 अक्टूबर 2024 को सांप्रदायिक दंगे हुए थे। दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान यह दंगे हुए थे और इसमें रामगोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह घटना बहराइच के हरदी थाना क्षेत्र के महाराजगंज बाजार की थी। दुर्गा प्रतिमा बिसर्जन जुलूस के दौरान रामगोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद इलाके में हिंसा फैल गई और जमकर तोड़फोड़ हुई थी। इस मामले में 13 लोग आरोपी बनाए गए थे। वहीं मुख्य आरोपी सरफराज था। जिला सत्र न्यायालय ने इस मामले में फैसला सुनाया है और सरफराज को फांसी की सजा सुनाई गई है जबकि 9 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। वहीं 3 को बरी कर दिया गया।

रामगोपाल को अगवा किया, तड़पाकर मारा

पुलिस ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया था और कहा था कि उनकी मौत गोली लगने से ही हुई थी। पुलिस ने यह भी कहा था कि इस पूरी घटना में केवल रामगोपाल मिश्रा की ही मौत हुई थी। आरोपियों ने पहले रामगोपाल को अगवा कर लिया था और उसके बाद उसकी हत्या की गई थी। रामगोपाल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार गोली लगने से उनकी मौत हुई थी। उनके चेहरे, गले और सीने में गोली के करीब 30 छर्रे के निशान पाए गए थे। राम गोपाल मिश्रा 22 साल के थे। बीच में अफवाह उड़ी थी कि रामगोपाल को मारने से पहले काफी तड़पाया गया और उनके साथ बर्बरता की गई थी।

इन धाराओं में दर्ज था मुकदमा

बहराइच के जिला सत्र न्यायालय के अपर जिला जज पवन कुमार शर्मा ने यह फैसला सुनाया। मामले का ट्रायल 13 महीने तक चला और उसके बाद अदालत में 10 अभियुक्त को दोषी पाया। कोर्ट में सभी सबूत और गवाहों की गवाही के बाद यह सजा सुनाई गई। सभी आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191/2, 191/3, 190, 103/2, 249 और 61/2 के साथ आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई थी।

एसआईआर पर सीएम ममता ने कहा

किसी महिला का नाम कटा तो रसोई के औजारों से करें पिटाई

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। राज्य में सर प्रक्रिया पर तीखा हमला बोलते हुए सीएम ममता बेनर्जी ने महिलाओं से अपील की है कि अगर मतदाता सूची की समीक्षा के दौरान उनके नाम हटाए जाते हैं, तो वे रसोई के औजार तैयार रखें। ममता ने बंगाल के कृष्णानगर में एक रैली में कहा कि क्या आप एसआईआर के नाम पर माताओं और बहनों के अधिकार छीन लेंगे? वे चुनाव के दौरान दिल्ली से पुलिस लाएंगे।

महिलाएं ज्यादा शक्तिशाली हैं या भाजपा?

उन्होंने कहा कि वह देखना चाहती हैं कि महिलाएं ज्यादा शक्तिशाली हैं या भाजपा । उन्होंने कहा कि मैं सांप्रदायिकता में विश्वास नहीं करती। धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करती हूं। जब भी चुनाव आते हैं, भाजपा पैसे का इस्तेमाल और लोगों को बांटने के लिए दूसरे राज्यों से लोगों को लाने की कोशिश करती है।

पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों को रात्रि भोज पर किया आमंत्रित

देश की विकास यात्रा को मजबूत बनाने का संकल्प

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपने आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के घटक दलों के सांसदों के साथ मिलकर भारत की विकास यात्रा को और मजबूत करने का संकल्प लिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि एनडीए परिवार सुशासन, राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय आकांक्षाओं के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। हम मिलकर आने वाले वर्षों में देश की विकास यात्रा को सशक्त बनाने का काम जारी रखेंगे।

शीतकालीन सत्र के दौरान सहभागिता बढ़ाने पर हुई बात

गठबंधन सहयोगियों के साथ की चर्चा

बस में पीएम आवास को जाते सांसद

पीएम बोले- एनडीए परिवार सुशासन का प्रतिनिधित्व करता

इस रात्रि भोज में शामिल होने के लिए पीएम आवास पर एनडीए के सांसद पहुंचे। संसद के जारी शीतकालीन सत्र के दौरान तालमेल को मजबूत करने, सहभागिता बढ़ाने और सदन की रणनीति को सुव्यवस्थित करने की कोशिशों के तहत इस विशेष रात्रि भोज का आयोजन किया गया। इसके अलावा गठबंधन सहयोगियों के बीच विचारों के खुले और रचनात्मक आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करना है।

पांच राज्यों के चुनावों पर की बातचीत

गठबंधन के सभी घटक दलों के वरिष्ठ मंत्रियों, सदन के नेताओं और सांसदों के इस संवाद में हिस्सा लिया। इस दौरान चर्चा में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम सहित पांच राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियों की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श की उम्मीद जताई गई।

अगला रात्रि भोज पश्चिम बंगाल का चुनाव जीतने के बादः अनुराग ठाकुर

भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने सांसदों को विशेष रात्रि भोज के लिए आमंत्रण पर पीएम का जताया। उन्होंने भरोसे के साथ कहा कि अगला रात्रि भोज 2026 के पश्चिम बंगाल चुनाव में जीत के बाद आयोजित किया जाएगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 'बिहार में बंपर ऐतिहासिक जीत के बाद पीएम मोदी ने हमें आमंत्रित किया है। अब बिहार के बाद अगला भोज बंगाल की जीत के बाद होगा।

डव ने कहा कि अमेरिका को अब बेहद तेजी से कदम उठाने होंगे, ताकि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से अमेरिका-भारत साझेदारी को जो नुकसान हुआ है, उसे जल्द से जल्द ठीक किया जा सके

डेमोक्रेट सांसद ने राष्ट्रपति ट्रंप को लताड़ा

विदेश नीति फेल, यूएस की दबाव वाली नीति भारत को रूस के करीब धकेल रही, सुधर जाएं

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा अमेरिका में भी चर्चा में बना हुआ है। अमेरिकी सांसद सिडनी कैमलेगर-डव ने संसद में पीएम मोदी और पुतिन की कार वाली तस्वीर दिखाई। डव ने तस्वीर की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह पोस्टर हजार शब्दों के बराबर है। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत नीति की कड़ी आलोचना की। डव ने कहा कि ट्रंप की भारत को लेकर नीतियां ऐसी हैं जैसे हम खुद को ही नुकसान पहुंचा रहे हों। दबाव डालकर साझेदारी करना महंगा साबित होता है। और यह पोस्टर इसका सबसे बड़ा सबूत है। अमेरिका की दबाव वाली नीति भारत को रूस के करीब धकेल रही है। बता दें, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर को भारत आए थे। इस दौरान वे अपनी कार छोड़कर पीएम मोदी की गाड़ी में बैठ गए थे। ये टिप्पणियां हाउस फॉरेन अफेयर्स सबकमेटी ऑन साउथ एंड सेंट्रल एशिया की उस सुनवाई के दौरान आईं, जिसका विषय था- 'अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारीः एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक की सुरक्षा'।

दबाव डालकर साझेदारी करने की नीति उल्टे गले पड़ी

साझेदारों को युद्ध में ढकेलकर कैसे मिलेगा नोबल प्राइज

संसद में सांसद बिल हुइजेंगा और सिडनी कैमलेगर डव

ट्रंप नोबेल प्राइज के हकदार नहीं

सांसद डव ने ट्रंप के उस दावे पर भी तंज कसा जिसमें ट्रंप खुद को नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार बताते रहे हैं और दावा करते हैं कि उन्होंने आठ युद्ध रुकवाए हैं, जिनमें भारत-पाकिस्तान भी शामिल है। डव ने कहा कि जब कोई देश अपने सबसे अहम रणनीतिक साझेदारों को ही विरोधियों की ओर धकेल दे, तो वह नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार नहीं कहलाता।

नुकसान को जल्द ठीक करें

डव ने कहा कि अमेरिका को अब बेहद तेजी से कदम उठाने होंगे, ताकि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से अमेरिका-भारत साझेदारी को जो नुकसान हुआ है, उसे जल्द से जल्द ठीक किया जा सके। दोनों देशों के बीच वह भरोसा और सहयोग फिर से बहाल करना जरूरी है, जो अमेरिका की समृद्धि, सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व के लिए अनिवार्य है।

अमेरिका-भारत साझेदारी बेहद अहम

ट्रंप की पार्टी के सांसद बिल हुइजेंगा ने कहा कि अमेरिका का भारत के साथ साझेदारी बेहद अहम है। उन्होंने भारत के इस दावे का खुलकर समर्थन किया है कि पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसका संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) पहलगाम हमले के पीछे थे। उन्होंने याद दिलाया कि ट्रंप प्रशासन ने इसी साल जुलाई में टीआरएफ को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर दिया था।

लीजिए, ट्रंप गोल्ड कार्ड लागू हो गया

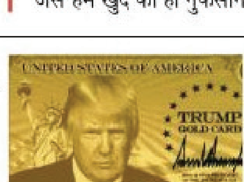

9 करोड़ में मिलेगी अमेरिकी नागरिकता, आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया। इसके लिए आवेदक आवेदन कर सकते हैं। कार्ड की कीमत 1 मिलियन डॉलर (करीब 8.8 करोड़ रुपए) है। हालांकि कंपनियों को कार्ड के लिए 2 मिलियन डॉलर देना होगा। ट्रंप का कहना है कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है।

मेक्सिको भी भारत पर 50% टैरिफ लगाएगा, 2026 से लागू होगा

अमेरिका के बाद अब मेक्सिको भी भारत पर हाई टैरिफ लगाने जा रहा है। मेक्सिको की संसद ने बुधवार को भारत समेत 5 एशियाई देशों पर 50% तक का भारी टैरिफ लगाने का ऐलान किया। यह टैरिफ ऐसे देशों पर लगाया जाएगा जिनके साथ मेक्सिको का कोई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नहीं है।

अवधी तो भगवान राम भी बोलते थे: पवन सिंह चौहान

डॉ राम बहादुर मिश्र को समर्पित अवधी ग्रन्थ 'अवध-अवधी: विविध सन्दर्भ' का हुआ विमोचन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अवधी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की परम्परा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है। एक यह मात्र बोली नहीं अपितु इसे भाषा का गरिमामयी स्थान प्राप्त है। इसे तो भगवान राम भी बोलते थे। राम चरित मानस सहित अनेक पौराणिक ग्रन्थ अवधी में हैं। भगवान राम और भगवान बुद्ध अवध और अवधी की इसी पावन मिट्टी में पैदा हुए। अवधी भाषा के प्रेमी धरती के हर टुकड़े पर मिलते हैं।

उक्त विचार मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने प्रकट किये। वह गुरुवार को मुख्य अतिथि के रुप में उ.प्र. साहित्य सभा के अवधी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित अवधी समारोह-2025 को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अवधी भाषा सहित सभी क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ाने के लिए कृत संकल्प हैं। भारत में इकलौती यूपी विधानसभा ही है, जहां सदन में अवधी सहित पांच भाषाएं चलती हैं। इसके लिए सरकार ने दुभाषिया तैनात कर रखे हैं। अवधी-हिन्दी के प्रथम दुभाषिया डॉ रामबहादुर मिश्र एवं नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान तो यहीं बैठे हैं। समारोह की अध्यक्षता कर रही पद् ?मश्री विद्याविन्दु सिंह ने इस अवसर पर विमोचित अवधी शोध ग्रंथ ₹अवध अवधीः विविध संदर्भ₹ के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि डा. राम बहादुर मिश्र नैसर्गिक प्रतिभा सम्पन्न अवधी साहित्य साधक हैं। इनकी समूची कर्मण्य तल्लीनता सिर्फ और सिर्फ अवधी को समर्पित है। रामबहादुर जी वस्तुतः अवधी के आंदोलन और अवधी ध्वज वाहक हैं। शोध ग्रन्थ के प्रबंध सम्पादक रमाकान्त तिवारी 'रामिल' ने कहा कि डॉ राम बहादुर मिश्र की अवधी साधना को समर्पित यह सारस्वत सृजन प्रकारांतर से अवधी का इंसाइक्लोपीडिया है। इसमें अवधी भाषा-साहित्य के विविध संदर्भ लिपिबद्ध है। वहीं, सम्पादक डॉ शिवप्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि अवधी पर केन्द्रित यह सारस्वत अनुष्णन अवधी भाषा-साहित्य और संस्कृति की समृद्ध परम्परा का आख्यान है। इसमें अवधी के वैश्विक परिदृश्य और उसका बौद्धिक विरासत का महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है। समारोह के केंद्रबिंदु डॉ राम बहादुर मिश्र ने कहा कि समकालीन अवधी साहित्य सर्जना हिन्दी के समानांतर अबाध गति से विस्तार पा रही है। परिणामस्वरूप, अवधी में कहानी, उपन्यास, लघुकथा, यात्रा वृत्तांत, निबंध, एकांकी, नाटक, रेडियो रूपक, वार्ता, पत्र साहित्य, गीत, नवगीत, मुक्तक, गजल, हाइकु सहित पारम्परिक काव्य विधाओं से लैस है। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के भाषा समन्वयक एवं अवधी शोध पीठ के नियंता डॉ. नीरज शुक्ला ने अवधी शोध पीठ की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा विश्वविद्यालय में अवधी डिप्लोमा कराने पर विचार कर रहा है। जबकि नेपाल से आये हरि प्रसाद तिमिलसेना, कृष्णा देवी पांडेय सहित अन्य अवधी विद्वानों ने नेपाल में अवधी की दशा एवं दिशा की विस्तार पूर्वक चर्चा की। अवधी ग्रंथ के समन्वयक डॉ संत लाल ने कहा कि यह शोष ग्रंथ शोधार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। अवधी समारोह में समागत साहित्यकारों का स्वागत करते हुए साहित्य सभा के संस्थापक सर्वेश अस्थाना ने बताया कि यह आयोजन साहित्य सभा के अवधी प्रकोष्ठ द्वारा किया गया है। इसमें अवध भारती संस्थान हैदरगढ़, अवधी विकास संस्थान लखनऊ, अवधी साहित्य संस्थान अमेठी सहित आठ संस्थाओं ने अहम भूमिका निभाई है।

उद्घाटन सत्र का संचालन वरिष्ठ अवधी साहित्यकार प्रदीप सारंग एवं प्रो. अर्जुन पाण्डेय ने किया। दूसरे सत्र विचार सभा का विषय प्रवर्तन समारोह के संयोजक नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान ने किया। वहीं, आभार प्रदर्शन बिरजू सेवा संस्थान के अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने किया। स्वागत की कमान डॉ सत्या सिंह ने संभाला।

तीसरे सत्र में अवधी कवि सम्मेलन की धूम रही। अंतिम चौथे सत्र में कल्चर दीदी कुसुम वर्मा के संचालन में सांस्कृतिक संध्या हुई। इसमें सोहर की प्रस्तुति के साथ अवधी कलाकार रमेश दुबे रमेशवा की हास्य प्रस्तुति जोरदार रही। डॉ अशोक अज्ञानी, अजय प्रधान, अनीश देहाती, डॉ सूर्य प्रसाद निशिहर, संदीप अनुरागी ने अवधी काव्यपाठ खूब सराहा गया।

मेला देखने गई किशोरी लापता, युवक पर अपहरण का आरोप, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। हरदोई जनपद के संडीला से रहीमाबाद के गंगाखेड़ा गांव में सहेलियों के साथ मेला देखने आई 16 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने रहीमाबाद करौंदी निवासी छोटू पर अपहरण का आरोप लगाते हुए बुधवार को रहीमाबाद थाने पर अभियोग पंजीकृत कराया है। किशोरी के पिता के मुताबिक, छह दिसंबर को उनकी बेटी सहेलियों के साथ मेला देखने गई थी, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटी। जब उन्होंने बेटी की सहेलियों से जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि किशोरी को आखिरी बार आरोपी छोटू के साथ जाते हुए देखा गया था। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने बताया कि आरोपित की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हर घर जल योजना अधूरी: बनी पंचायत में सड़कों की बदहाली से ग्रामीण परेशान

ग्राम प्रधान ने उठाई आवाज: जल योजना के अधूरे कार्यों पर कार्रवाई की मांग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। हर घर जल योजना के तहत सरोजनीनगर विकासखंड की ग्राम पंचायत बनी में किए गए कार्यों की खामियां ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बन गई हैं। ग्राम प्रधान रमेश कुमार गुप्ता ने बृहस्पतिवार को अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर बताया कि उसकी पंचायत बनी में कराए गए कार्य लगभग 70 प्रतिशत अधूरे पड़े हैं। योजना के तहत अब तक कई घरों तक पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है। प्रधान ने बताया कि जल आपूर्ति लाइन बिछाने के लिए पंचायत की कई सड़कों को खोदा गया था, लेकिन कार्य पूरा न होने के कारण वे सड़कें अब गड्ढों और जर्जर हालत में छोड़ दी गई हैं। कई मार्गों पर तो पाइप लाइन डाली ही नहीं गई। वहीं, कुछ स्थानों पर ठेकेदारों द्वारा केवल औपचारिकता निभाकर सड़क को खराब अवस्था में ही छोड़ दिया गया, जिसकी मरम्मत अभी तक नहीं कराई गई है। खराब सड़कों और अधूरे कार्यों के चलते ग्रामीणों को दैनिक आवागमन में बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रधान रमेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में उच्च अधिकारियों को कई बार शिकायतें भेजी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे लोगों में नाराजगी बनी हुई है।

पार्षद राम नरेश रावत ने महापौर सुषमा खर्कवाल के अवस्थापना निधि के अंतर्गत सीसी नाला व सीसी रोड पार्षद निधि से किया शिलान्यास

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर द्वितीय 18 में शमा विहार कॉलोनी मे बिलाल के घर से जहीर खान के घर होते हुए सौरभ पाल के घर तक 200 मीटर लंबी 4 मीटर चौड़ी सीसी रोड और नाली तथा आजाद नगर में सुखरानी क्लीनिक से मंगल पांडे पार्क400 मीटर लंबे सीसी नाले का नवनिर्माण कार्य का शिलान्यास महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डा.राजेश्वर सिंह के आशीर्वाद से पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट जी के द्वारा किया गया कार्यक्रम को पूरी विधि विधान से धूप दीप द्वारा पूजा कार्य करवा कर मंडल अध्यक्ष के. के. श्रीवास्तव व जहीर खान से नारियल तुड़वाकर पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के द्वारा कार्य का शुभारंभ कराया गया पार्षद प्रतिनिधि संतोष कुमार त्रिपाठी ने बताया की यह शमा विहार कॉलोनी सड़क व आजाद नगर कालोनी में कि यह काफी महत्वपूर्ण सीसी नालानिर्माण होगा जो की 20-25 वर्षों से जल निकासी ना हो पाने के कारण इस रोड पर सदैव पानी भरा रहता था साल के पूरे महीने यहाँ जल भराव बना रहता था जिससे लोगो का इस मार्ग पर पैदल भी चलना दुश्वार था जो कि अब माननीय महापौर सुषमा खर्कवाल के द्वारा आजाद नगर मे दी गई धनराशि से 49 लाख 60 हजार रुपए की लागत से सीसी नाले का निर्माण एवं शमा विहार कॉलोनी में दी गई धनराशि 25लाख रुपए से सीसी रोड व नाली का नवनिर्माण कार्य किया जाएगा जिससे अब लोगों में इस रोड व नाली के बनने जा रही से काफी लोग खुश नजर आऐ जिससे लोगों ने पार्षद रामनरेश जी को माला पहना कर तथा तथा पार्षद ने महापौर एवं विधायक के हर्षो उल्लास से नारे लगाए तथा एक दूसरे को लड्डू खिलाकर अपनी खुशी एक दूसरे को साझा की इसके लिए जनता की तरफ से संतोष त्रिपाठी ने सभी को धन्यवाद दिया इसके लिए लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री भारत सरकार, विधायक डॉ.राजेश्वर सिंह , व माननीय महापौर सुषमा खर्कवाल , महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी , नगर आयुक्त गौरव कुमार, तथा पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट जी व मंडल अध्यक्ष के के श्रीवास्तव जी के सहयोग तथा आशीर्वाद से इस शमा विहार कॉलोनी में सीसी सड़क नाली, तथा आजाद नगर कालोनी मे सीसी नाले का नवनिर्माण कार्य होने जा रहा है आप सभी को कॉलोनी के समस्त निवासियों की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार शिलान्यास के कार्यक्रम में रामेश्वर त्यागी, प्रीतम सिंह, धनेश मिश्रा अमर नाथ यादव जयराम यादव, द्वारिका प्रसाद विश्वकर्मा, फूलचंद गौतम, दीनानाथ ओझा, अशोक ओझा, ऋषि राम यादव, सूर्यकुमार मिश्रा, रामकुमार मिश्रा, विनोद चौरसिया, इरफान अहमद, इरशाद अली, अब्बास, वीरेंद्र सिंह, प्रिंस, विमलेश प्रजापति, नवीन त्रिवेदी जहीर खान अभिनव, विवेक, सुनील कुमार बिलाल, सुरेश रावत, रेनू ओझा, उर्मिला जायसवाल, सचिन सिंह, शकुन, नाथू सिंह, आदि शमा विहार कॉलोनी एवं आजाद नगर तथा आसपास के भाजपा कार्यकर्ता के लोग भी उपस्थित रहे।

18वें साई स्थापना दिवस पर भव्य पालकी यात्रा, और भजन संध्या का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। तेलीबाग के नेपाल गंज में शिरडी वाले साईं बाबा की दिव्य महिमा के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुरुवार को भक्तिमय वातावरण में डूब गया। ह्लसाईं तेरे हजारों हाथह्व जैसे उल्लासपूर्ण भजनों पर भक्त झूमते रहे, और अबीर-गुलाल उड़ाते हुए रहे। 18वें साई स्थापना दिवस का शुभारंभ धूमधाम से किया गया। नागेश्वर मंदिर, तेलीबाग से साईं भक्तों ने बाबा की भव्य पालकी यात्रा निकाली। सुबह से ही भक्तों की भीड़ मंदिर परिसर में जुटने लगी थी। श्रद्धालुओं द्वारा विधिविधान से की गई पूजा-अर्चना के बाद पालकी यात्रा नेपालगंज से होते हुए तेलीबाग बाजार, गांधी नगर, शनिदेव मंदिर चौराहा से होते हुए वापस नेपालगंज तेलीबाग, नागेश्वर मंदिर पहुंची। पूरे मार्ग में भक्तों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर पालकी का स्वागत किया।

यात्रा के दौरान साईं भजनों पर नाचते-गाते भक्तों ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। ढोल और डीजे की धुनों से शोभायात्रा और भी मनमोहक दिखाई दी। शाम को नागेश्वर मंदिर में विशेष भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें श्री सत्य साई म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने मधुर और भावपूर्ण साईं भजनों की प्रस्तुति दी। कलाकारों की सुरीली आवाज और भक्तिमय धुनों ने सभी उपस्थित भक्तों को भावविभोर कर दिया। भजन संध्या के दौरान भक्त तालियों और जयकारों के साथ झूमते रहे।

शुक्रवार को होगा भंडारा –

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आयोजन समिति की सदस्य नीतू सिंह ने बताया कि स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 12 दिसंबर शुक्रवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भंडारा दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होकर साईं बाबा की इच्छा तक जारी रहेगा। आयोजन समिति ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर साईं बाबा की कृपा प्राप्त करने की अपील की है।

पहली बार जारी हुआ माघ मेले का प्रतीक चिन्ह

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ के दिव्य और भव्य आयोजन के बाद प्रदेश सरकार अब माघ मेला-2026 को भी अभूतपूर्व स्वरूप देने की तैयारी में है। इसी क्रम में माघ मेले के दर्शन तत्व को उद्घाटित करता माघ मेले का प्रतीक चिन्ह जारी हुआ है। मुख्यमंत्री के स्तर से माघ मेले का यह लोगो जारी किया गया है। लोगो में माघ मास में संगम किनारे जप, तप साधना और कल्पवास की महत्ता के साथ इस अवधि नक्षत्रों की अवस्थिति के आधार पर सप्त ऊर्जा चक्रों को स्थान दिया गया है। लोगो में अक्षय पुण्य का संचय साक्षी अक्षयवट, सूर्य देव और चंद्र देव की 27 नक्षत्रों के साथ की ब्रह्मांडीय यात्रा, श्री लेटे हुए हनुमान जी का दर्शन बोध कराता बड़े हनुमान जी का मंदिर, सनातन के विस्तार की प्रतीक सनातन पताका और संगम पर साइबेरियन पक्षियों की कलरव को ध्वनित करने वाला पर्यावरण बोध सभी का इसमें समावेश है। लोगो पर श्लोक ₹माघे निमज्जनं यत्र पापं परिहरेत ततः₹ माघ के महीने में स्नान करने से सभी पाप मुक्ति का शंखनाद कर रहा है।

- **प्रतीक चिन्ह में माघ मास में तप, अनुष्ठान और कल्पवास का दर्शन, अक्षयवट के भी दीदार**
- **सीएम के स्तर पर किया गया जारी**

यह लोगो मेला प्राधिकरण की ओर से आबद्ध किए गए डिजाइन कंसल्टेंट अजय सक्सेना एवं प्रागल्भ अजय ने डिजाइन कियाा जिसे मुख्यमंत्री के स्तर पर जारी किया गया है। जारी लोगो का दर्शन माघ महीने के सूर्य और चंद्र की स्थिति को भी उद्घाटित करता है। ज्योतिषाचार्य आचार्य हरि कृष्ण शुक्ला बताते हैं कि सूर्य एवं चंद्रमा की 14 कलाओं की उपस्थिति ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्य, चंद्रमा एवं नक्षत्रों की स्थितियों को प्रतिबिंबित करता है जो प्रयागराज में माघ मेले का कारक बनता है। भारतीय ज्योतिषीय गणना के अनुसार चंद्रमा 27 नक्षत्रों की परिक्रमा लगभग 27 दिनों में पूर्ण करता है। माघ मेला इन्हीं नक्षत्रीय गतियों के अत्यंत सूक्ष्म गणित पर आधारित है। जब सूर्य मकर राशि में होता है और पूर्णिमा के दिन चंद्रमा माघी या अश्लेषा-पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्रों के समीप होता है, तब माघ मास बनता है और उसी काल में माघ मेला आयोजित होता है। इसी तरह चंद्रमा की 14 कलाओं का संबंध मानव जीवन, मनोवैज्ञानिक ऊर्जा और आध्यात्मिक साधना से माना गया है। माघ मेला चंद्र-ऊर्जा की इन कलाओं के सक्रिय होने का विशेष काल भी है। अमावस्या से पूर्णिमा की ओर चंद्रमा की वृद्धि (शुक्ल पक्ष) साधना की उन्नति के लिए सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। माघ स्नान की तिथियाँ चंद्र कलाओं के अत्यंत सूक्ष्म संतुलन पर चुनी जाती हैं। माघ महीने की ऊर्जा (शक्ति) अनुशासन, भक्ति और गहन आध्यात्मिक कार्यों से जुड़ी होती है क्योंकि यह महीना पवित्र नदियों में स्नान, दान, तपस्या और कल्पवास जैसे कार्यों के लिए विशेष माना जाता है। इस माह में किए गए कार्य व्यक्ति को निरोगी बनाते हैं और उसे दिव्य ऊर्जा से भर देते हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनेगा विश्वस्तरीय पहचान का प्रतीक

एयरपोर्ट में नजर आयेगा स्विस एफिशिएंसी और भारतीय आतिथ्य का संगम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का जल्द ही शुभारंभ होने वाला है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि यात्री यहां उतरते ही भारतीय संस्कृति और उत्तर प्रदेश की समृद्ध विरासत का अनुभव कर सकें। स्विस दक्षता और भारतीय मेहमाननवाजी का अद्भुत संयोजन यात्रियों को एक अनूठी, सहज और आरामदायक यात्रा का अनुभव देगा। आधुनिकतम तकनीक और सुविधाओं के साथ यह हवाईअड्डा वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार हो रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एसीईओ शैलेन्द्र कुमार भाटिया ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अपने अभिनव डिजाइन, अत्याधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक समृद्धि के साथ न केवल यूपी बल्कि भारत की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार है। यह हवाई अड्डा यात्रियों के लिए हर कदम पर आरामदायक, तेज और यादगार अनुभव का वादा करता है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री स्वयं दिन प्रतिदिन इसकी निगरानी कर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने यहां का भ्रमण कर प्रगति का जायजा लिया और दिशा निर्देश भी दिए। एयरपोर्ट की वास्तुकला पूरी तरह भारतीय पारंपरिक डिजाइन से प्रेरणा लेकर तैयार की गई है, ताकि यात्री यहां उतरते ही उत्तर भारत की सांस्कृतिक आत्मा को महसूस कर सकें। टर्मिनल बिल्डिंग में लैटिस स्क्रीन जैसे नक्काशीदार डिजाइन लगाए गए हैं, जो न केवल सौंदर्य बढ़ाते हैं, बल्कि प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन के प्रवाह को भी नियंत्रित करते हैं। प्रवेश द्वार पर वाराणसी और हरिद्वार के प्रसिद्ध घाटों की याद दिलाने वाली चौड़ी व आकर्षक सीढ़ियां बनाई गई हैं, जो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्ता को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती हैं। टर्मिनल के भीतर एक हवेली शैली का विस्तृत आंगन बनाया जा रहा है, जो यात्रियों को खुला, हवादार और आरामदायक माहौल प्रदान करेगा। यह डिजाइन पारंपरिक भारतीय वास्तुकला में आंगन की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है। इसके साथ ही यूपी की प्रमुख नदियों की शांति व प्रवाह को दर्शाने वाली सफेद, तरंगाकार छत पूरे टर्मिनल को आधुनिकता और प्रकृति के संयोजन का प्रतीक बनाती है। इन सभी डिजाइन तत्वों का उद्देश्य है एक ऐसा वातावरण तैयार करना जहां यात्री तनावमुक्त, सहज और आत्मीय अनुभव के साथ अपनी यात्रा की शुरूआत कर सकें।

उत्तर प्रदेश की स्टार्टअप क्रांति को गति दे रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

लैब सुविधा, मेंटरशिप, टेस्टिंग और नेटवर्किंग से युवाओं को वैश्विक स्तर की तकनीक का अवसर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से उस दिशा में अग्रसर है जहां नवाचार, अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीक, विकास के आधार स्तंभ बनेंगे। प्रदेश में 07 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भारत की तकनीकी अर्थव्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

यह स्टार्टअप क्रांति को गति देने का काम कर रहे है। सरकार का यह कदम स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बना रहा है। साथ ही उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने की ओर कदम बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि नया उत्तर प्रदेश ज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के आधार पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल बने। सरकार ने थीम आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को स्वीकृति दी है। ये केंद्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, मेडटेक, टेलीकॉम, ड्रोन, एडिटिव, मैन्युफैक्चरिंग और ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। प्रदेश सरकार का मानना है कि इन अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षित युवा विश्व स्तरीय स्टार्टअप खड़े कर सकेंगे और प्रदेश को नए रोजगार अवसरों का बड़ा केंद्र बनाएंगे। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चयनित प्रोडक्ट आधारित स्टार्टअप को जो सुविधाएं प्रदान की जा रही है उनमें उच्च स्तरीय लैब, को-वर्किंग स्पेस, रिसर्च सपोर्ट, प्रोडक्ट टेस्टिंग और विशेषज्ञ मेंटरशिप शामिल हैं। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी प्रतिभाशाली युवा को संसाधनों के अभाव में पीछे हटना पड़े। सरकार की ओर से इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए वित्तीय सहायता का भी मजबूत ढांचा तैयार किया है। इसमें पूंजीगत और इनके संचालन पर व्यय के लिए अनुदान उपलब्ध कराया है। सरकार का मॉडल यह है कि पहले पांच वर्षों तक इन्हें सहायता देकर इनकी नींव को सुदृढ़ किया जाए, बाद में यह स्वयं के नवाचार और साझेदारियों के द्वारा भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। आईटी एवं स्टार्टअप सेक्टर के कंसलटेंट सुनील गुप्ता का कहना है कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य कृषि, शिक्षा और स्वच्छता जैसे सामाजिक क्षेत्रों में भी तकनीक आधारित समाधान इनके द्वारा विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न शहरों में स्थापित 7 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्षेत्रीय विकास को भी गति दे रहे हैं। जिससे छोटे शहरों के युवाओं को भी विश्व स्तरीय सुविधाएं अपने ही प्रदेश में ही उपलब्ध हो रही है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस आधुनिक अर्थव्यवस्था का इंजन कहा जाता है । यह ऐसे विशेषीकृत संस्थान होते हैं जो किसी एक उन्नत तकनीक या क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण, उत्पाद, विकास और उद्योग सहयोग के केंद्र के रूप में काम करते हैं।

प्रदेश में दो आईएएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को दो आईएएस अधिकारियों के कार्यभार में बदलाव का आदेश जारी किया है। अखंड प्रताप सिंह मुख्य कार्यपालक अधिकारी उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (एसआरआरडीए) लखनऊ से विशेष सचिव निर्वाचन और अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश बनाए गए हैं। दीपा रंजन को मिशन निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन लखनऊ के साथ राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

संक्षेप

सर्दी का मौसम गौवंशो की हालत होती जा बदतर

बांगरमऊ, उन्नाव।एक बेसहारा गोवंश पिछले 15 दिनों से एक स्थान पर पड़े हुए जिंदगी व मौत के बीच संघर्ष कर रहा है गुरुवार को मामला प्रकाश में आने के बाद पशु विभाग द्वारा इलाज कराया गया तथा ग्राम प्रधान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्देश दिया गया।किंतु यह घटना सरकार की मंशा पर पानी फेरती नजर आ रही है। भले ही सरकार का सख्त निर्देश हो कि बेसहारा गोवंशो को गौशालाओं में शिफ्ट कर उनकी देखभाल सुनिश्चित की जाए किंतु क्षेत्रीय जिम्मेदारों की लापरवाही से आए दिन गोवंशो की हालत बदतर होती नजर आ ही जाती है इसी क्रम में ग्राम पंचायत भिखारी पुर पतसिया स्थित पुरानी बैंक के निकट चलने में असमर्थ एक बेसहारा गोवंश पिछले करीब 15 दिनों से एक ही स्थान पर पड़ा हुआ था गुरुवार को एक स्थानीय नागरिक द्वारा जिसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया जिसके बाद हरकत में आए पशु विभाग के कर्मचारियों द्वारा उसका इलाज कराया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी डाक्टर राहुल सचान ने कहा है कि पशु को उपचारित कर ग्राम प्रधान को निर्देशित कर गोवंश को गौशाला में रखने का निर्देश दिया गया है।

भूमि विवाद पर युवक को डंडों से पीटा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र के बेलन्द खेडा गांव निवासी अर्जुन सिंह यादव ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि रऊ करना गांव स्थिति पुश्तैनी भूमि संख्या 2169 व 2235 अभिलेखों में पिता राम नरायन यादव के नाम दर्ज है जिस पर सरसों की फसल खडी थी मंगलवार की दोपहर बाद जानकारी मिली कि राम धनी उर्फ शैलेन्द्र सिंह बहन नेहा सिंह तथा दो अज्ञात व्यक्तियों के साथ खेत में खडी फसल उखाड़ रहे हैं जिस पर राम धनी उर्फ शैलेन्द्र सिंह को फोन मिलाया लेकिन उठाया नहीं जिस पर वह मौके पर पहुंचा तो गाली-गलौज करने लगा और डंडे से हमला कर दिया जिससे हाथ फैक्चर हो गया इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि पीडित की तहरीर पर भाई बहन और दो अज्ञात सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

नवागत प्रभारी निरीक्षक ने लिया चार्ज

बांगरमऊ, उन्नाव। पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह द्वारा नियुक्त प्रभारी निरीक्षक अखिलेश चंद्र पांडेय ने आज गुरूवार को यहां की कोतवाली में विधिवत पदभार ग्रहण किया। ?कार्यभार संभालने के बाद श्री पांडेय ने कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सभी बीट के उपनिरीक्षकों और आरक्षियों को तलब किया और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बरकरार रखना है।प्रभारी निरीक्षक श्री पांडेय ने यह भी बताया कि विशेष रूप से महिला सुरक्षा और अपराधियों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना भी उनकी प्राथमिकता में शामिल है।उनकी मुख्य कार्य योजना में शामिल है। उन्होंने आम जनता से निडर होकर पुलिस का सहयोग करने की पुरजोर अपील की।जिससे क्षेत्र में सुरक्षित और अपराध मुक्त वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।?

जिलाधिकारी ने किया तकिया मेले का शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर के कस्बा पाटन में लगने वाले तकिया मेला लगभग पाँच शताब्दी से हिंदू-मुस्लिम एकता का परिचय देता आया है।ये तकिया मेला पौष के पहले गुरुवार से लगता है।गुरुवार को मेला की शुरूवात जिलाधिकारी गौरांग राठी,पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, भगवन्तनगर विधायक आशुतोष शुक्ला ,अपर जिलाधिकारी शुशील कुमार गोंड ने सर्वप्रथम मंच के पास विभिन्न विभागों के लगे स्टालों का अवलोकन करते हुए माँ सरस्वती प्रतिमा का पूजन अर्चन किया। मंच को संबोधित करते हुए विधायक शुक्ला ने कहा इस मेले का इंतजार लोग पूरे साल किया करते है।देश प्रदेश के गौरव यह तकिया मेला हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रतीक है। जिलाधिकारी ने कहा जिस प्रकार माला में लगे विभिन्न फूल माला की शोभा बढ़ाते है उसी प्रकार यह हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रतीक मेला उन्नाव सहित पूरे देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रहा है।साथ ही उन्होंने मेला को पर्यावरण अनुकूल बनाने की अपील की। पुलिस अधीक्षक ने अजान व घंटे घड़ियाल एक साथ बजने से विभिन्न धर्मों में आपसी सद्भाव बढ़ाने वाला बताया। इसके उपरान्त ख्याति प्राप्त सूफी संत मोहब्बतशाह बाबा की मजार पर चादर चढ़ाई गयी व उनके शिष्य न्यामत शाह की मजार पर भी चादर चढ़ाकरबाबा सहस्त्रलिंगेश्वर महादेव में पूजन अर्चन किया । इस हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक तकिया मेले में हजारों लोगों की भीड़ उपस्थित रही। तकिया मेले में मंच के पास सामाजिक वानिकी वन प्रभाग,प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना,पी एम सूर्य घर,बाल विकास परियोजना,उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग,पशु पालन विभाग,पी एम ए जी पी उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड,आंगनबाड़ी ,स्वास्थ्य विभागप्रधानमंत्री सिचाई योजना स्टाल सहित कई स्टाल विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए।मंच पर कार्यक्रम की शुरूवात में लखनऊ से आये हुए मो०निशाद व मानिकापुर के आलमगीरी माजिद हुसैन द्वारा शानदार कव्वाल प्रस्तुत कर लोगो का मन मोह लिया गया।कार्यक्रम दौरान उपजिलाधिकारी रनवीर सिंह, तहसीलदार गणेश सिंह,नायब तहसीलदार विजय रंजन श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी मधुपनाथ मिश्रा,अटल बाजपेयी,गोविंद नारायण शुक्ला, योगेश बाजपेयी,बैजनाथ सिंह,सुशील अवस्थी,कुलदीप पटेल, संजय शुक्ला,सानू अवस्थी, सहित सैकड़ों लोग उपस्थिति रहे।

यूरिया खाद के बगैर समिति से वापस लौट रहे किसान

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। साधन सहकारी समिति में किसानों की जरूरत के अनुसार पर्याप्त यूरिया खाद की उपलब्धता न होने का हवाला देकर खाद नहीं दी जा रही है और उन्हें समिति पर से वापस लौटाया जा रहा है।जिससे किसान यूरिया खाद को लेकर परेशान होते नजर आ रहे हैं।

हसनगंज तहसील क्षेत्र के लखनापुर गांव स्थित साधन सहकारी समिति में गुरुवार सुबह सैकड़ों किसान यूरिया खाद के लिए समिति पर पहुंच गए। समिति पर सैकड़ों किसानों की भीड़ देख सचिव द्वारा किसानों की जरूरत के अनुसार पर्याप्त खाद की उपलब्धता न होने की जानकारी देकर उन्हें वापस कर दिया गया और केंद्र पर ताला लगाकर चले गए।यूरिया खाद न मिलने से किसान मायूस होकर घर लौट गए।किसानों में भोलाराम, संजीवन, शैलेन्द्र,राजाराम, भोला आदि किसानों ने बताया कि रबी के सीजन में जैसे तैसे करके खेतों में फसल की बुआई कराई।अब फसल की सिंचाई के समय सबसे ज्यादा यूरिया खाद की जरूरत है लेकिन रोजाना समित पर खाद के लिए चक्कर काट रहे है लेकिन फिर भी खाद नहीं मिल पा रही है।अगर समय पर फसलों में खाद नहीं डाली गई तो फसल बर्बाद होगी और पैदावार में भी गिरावट आएगी।सचिव द्वारा सिर्फ अपने चहेते किसानों को मनमानी खाद दी जा रही है।जिसकी वजह से छोटे किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है।

सचिव गिरीश तिवारी ने बताया कि 9 सौ बोरी यूरिया का स्टॉक आया था।मंगलवार को 450 बोरी वितरण की जा चुकी है।भीड़ अधिक थी और किसानों को ज्यादा खाद की जरूरत थी।धक्का मुक्की की वजह से वितरण नहीं किया गया।

फांसी के फंदे से लटकता मिला नवविवाहिता का शव

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव।नवविवाहिता का शव बुधवार देर शाम कमरे में फंदे से लटका मिला था जिसमें मृतका के पिता की तहरीर पर पति पर दहेज हत्या व मानसिक उत्पीड़न की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है। कोतवाली क्षेत्र सराय मलकादिम गांव निवासी पप्पू सिंह की 25 वर्षीय पुत्री सीता की शादी 30 नवम्बर को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत मौलाबाकीपुर गांव निवासी मुन्नी लाल के पुत्र पारस के साथ हुई थी।शादी के चार दिन बाद सीता मायके आ गई थी। बुधवार दोपहर उसका पति पारस ससुराल पहुंचा जहां किसी बात को लेकर विवाद के बाद मृतका के फोन में पड़े सिम कार्ड को निकाल ले गया।इसी दौरान शाम करीब पांच बजे छोटी बहन दिव्यांशी कमरे में गई तो बहन सीता का शव फंदे से लटका मिला। उसने परिजनों को इसकी जानकारी दी थी। देर रात मृतक के पिता पप्पू सिंह की तहरीर पर पुलिस ने पति पारस पर दहेज उत्पीड़न सहित हत्या कर शव लटकाए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई।कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर आरोपी पति पर हत्या, दहेज उत्पीड़न की तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

अज्ञात कारणों से झोपडी में लगी आग हजारों की गृहस्थी जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। थाना क्षेत्र के भिखारीपुर गांव में गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे एक किसान की झोपड़ी में अज्ञात कारणों से आग लग गई।इस घटना में किसान रामसच्चे का घर-गृहस्थी का सारा सामान और नकदी जलकर खाक हो गई, जिससे उन्हें हजारों रुपये का नुकसान हुआ। ग्रामीणों ने पंपिंग सेट की मदद से घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।पुलिस को सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंची और घटना स्थल का मुआयना कर परिजनों से जानकारी ली। यह घटना भिखारीपुर निवासी 45 वर्षीय रामसच्चे पुत्र इंदल की झोपड़ी में हुई। आग लगने के समय रामसच्चे अपने खेत पर थे, तभी उनके बच्चों ने उन्हें आग लगने की सूचना दी।आग चंद मिनटों में पूरी झोपड़ी में फैल गई और विकराल रूप ले लिया। जब तक किसान और उनका परिवार मौके पर पहुंचा, तब तक आग पूरी तरह फैल चुकी थी।ग्रामीणों और मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन घंटों की मशक्कत के बाद जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक किसान का सारा घरेलू सामान जलकर राख हो चुका था। किसान रामसच्चे के अनुसार, आग में घर-गृहस्थी के सामान के साथ-साथ ओढ़ने-पहनने के कपड़े, पानी का पाइप, गेहूं और कुछ नकदी भी जल गई।उन्होंने बताया कि इस घटना में उन्हें करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।इस आगजनी की घटना से किसान का परिवार बेघर हो गया है। किसान रामसच्चे और भाजपा मंडल अध्यक्ष सोनू सिंह ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलवाने की गुहार लगाई है। एसडीएम बृजेंद्र मोहन शुक्ला ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच कर पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाई जाएगी।

फांसी लगाकर युवक ने अपनी जीवन लीला की समाप्त

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव।कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में युवक ने आंगन के छज्जे में लगे छल्ले में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली । सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के अतहा गांव निवासी श्रीकांत पुत्र स्वर्गीय देवी शंकर 35 वर्ष की शादी मांखी थाना क्षेत्र पूरा गाँव के वीरेन्द्र की पुत्री स्नेहा से दो वर्ष पहले हुई थी।शादी के कुछ दिन बाद भाई से अलग रहने लगा था।पडोसियों के मुताबिक पति - पत्नी में संबंध ठीक नही थे। आए दिन कहा सुनी हुआ करती थी। बुधवार की देर रात दोनों खाना खाने के बाद मृतक ने अपनी पत्नी को घर के एक कमरे में बंद कर दिया।उसके बाद आंगन के छज्जे में लगे छल्ले से गमछे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी स्नेहा के काफी देर तक चीख पुकार करने बाद मृतक के भाई हरिनाम ने दरवाजा खोला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों की सूचना पर पहुंची परियर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया ।इस संबंध में चौकी प्रभारी अनिल कुमार राजपूत ने बताया कि युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली भाई की तहरीर पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

ट्रस्ट की जमीन पर झोपडी डालकर रह रहे लोगों से मांगे गये दस्तावेज

अमन लेखनी समाचार

मौरावा, उन्नाव। नगर पंचायत में रकफ अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। बेनीगंज स्थित मेला रामलीला ट्रस्ट की जमीन पर बनी संदिग्ध झोपड़ियों की सूचना पर अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी, पुरवा लेखपाल निशांत वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष कुंवर विवेक सेठ और नगर पंचायत मौरावा का स्टाफ मौके पर पहुंचा।टीम ने प्रत्येक झोपड़ी में जाकर वहां रह रहे लोगों के कागजात की बारीकी से जांच की। जांच में सामने आया कि कुछ लोग बिना किसी पहचान पत्र के रह रहे थे, जबकि कई झोपड़ियां खाली मिलीं। नायब तहसीलदार ने जब निवासियों से पूछा कि वे किसके कहने पर ट्रस्ट की जमीन पर काबिज हैं, तो उन्होंने बताया कि पूर्व नगर अध्यक्ष ने 1100 रुपये लेकर उन्हें यह जमीन रहने के लिए दी थी। हालांकि, उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले और वे आगे जानकारी देने में असमर्थ रहे। अधिकारियों ने सभी निवासियों को निर्देश दिया कि वे अपने पहचान पत्र और दस्तावेज लेकर नगर पंचायत मौरावा कार्यालय में उपस्थित हों और ट्रस्ट की भूमि तुरंत खाली करें।प्रशासन अब मेला रामलीला ट्रस्ट की जमीन को बेचने या कब्जा दिलाने के मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है।इसी दौरान टीम हिलौली रोड स्थित मुकरबा बाबा क्षेत्र भी पहुंची। यहां शिकायत मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं। जांच के दौरान कुछ व्यक्तियों ने बताया कि वे इलाज के लिए वर्षों से यहां अस्थायी रूप से रुकते आए हैं। रकफ अभियान के तहत सभी की पहचान की जांच अनिवार्य की गई है। पिछले दिनों लखनऊ में पहचान छिपाकर सरकारी नौकरी करने का मामला सामने आने के बाद जिले में सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी कारण मौरावानगर पंचायत के हर वार्ड में संदेह के आधार पर जांच की जाएगी, ताकि बांग्लादेशी या रोहिंग्या जैसे संदिग्ध लोग न छिपे हों। नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी ने बताया कि यह जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।मेला रामलीला ट्रस्ट की जमीन पर अवैध कब्जा दिए जाने और दस्तावेजों के नाम पर ली गई रकम को लेकर भी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संदिग्ध झोपड़ियों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे और संबंधित वार्डों में व्यापक सत्यापन अभियान चलाया जाएगा।

यूपी पीसीएल के चेयरमैन ने 220 केवी विद्युत सब स्टेशन का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

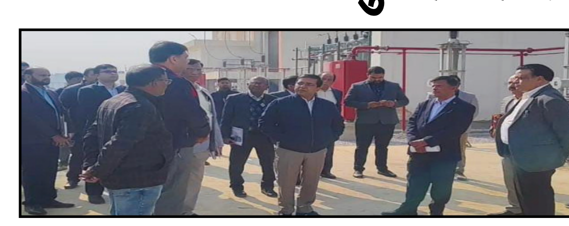

उन्नाव।बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने और औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (वढढउछ) के चेयरमैन आशीष गोयल ने ट्रांसगंगा सिटी में नवनिर्मित 220 केवी विद्युत सब-स्टेशन का निरीक्षण किया। अगले दस दिनों में पावर हाउस चालू किया जाएगा। इस दौरान उनके साथ डायरेक्टर पीयूष गर्ग और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सब-स्टेशन के संचालन, लोड क्षमता, उपकरणों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की गहन जांच की। चेयरमैन आशीष गोयल ने बताया कि ट्रांस-गंगा सिटी में स्थापित यह 220 केवी सब-स्टेशन शुक्ला-गंज-उन्नाव औद्योगिक क्षेत्र को स्थायी और उच्च क्षमता की बिजली आपूर्ति प्रदान करेगा। इससे वर्तमान औद्योगिक इकाइयों को लाभ मिलेगा और भविष्य में नए उद्यमों को भी यहां स्थापित होने में सुविधा होगी।उन्होंने कहा कि इस विद्युत केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र में लो वोल्टेज और ओवरलोडिंग की समस्याओं में कमी आएगी।निरीक्षण के दौरान डायरेक्टर पीयूष गर्ग ने ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली कटौती पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि फॉल्ट और ट्रिपिंग जैसी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए।गर्ग ने जोर दिया कि ग्रामीण इलाकों में बिजली की स्थिति में सुधार लाना विभाग की प्रमुख प्राथमिकता है और प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। अधिकारियों ने जानकारी दी कि नए सब-स्टेशन से 220 केवी लाइन के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र में निर्बाध बिजली पहुंचाई जाएगी, जिससे उत्पादन इकाइयों को काफी राहत मिलेगी। ट्रांसगंगा सिटी को भविष्य में एक महत्वपूर्ण औद्योगिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, और यह बेहतर बिजली व्यवस्था इसके विकास को गति प्रदान करेगी। चेयरमैन और विभागीय अधिकारियों की टीम गुरुवार सुबह ट्रांसगंगा सिटी स्थित सब-स्टेशन पहुंची थी।उन्होंने ऑपरेशन रूम, कंट्रोल सिस्टम और बैकअप व्यवस्थाओं का भी बारीकी से निरीक्षण किया। चेयरमैन ने इंजीनियरों को निर्देश दिए कि किसी भी तकनीकी समस्या या उपभोक्ता शिकायत का तत्काल निराकरण किया जाए। बिजली विभाग द्वारा किए जा रहे इस निरीक्षण अभियान से उपभोक्ताओं में उम्मीद बढ़ी है कि आने वाले दिनों में उन्नाव शहर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों और औद्योगिक इकाइयों को भी बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। अधिकारियों ने जानकारी दी कि नए सब-स्टेशन से 220 केवी लाइन के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र में निर्बाध बिजली पहुंचाई जाएगी, जिससे उत्पादन इकाइयों को काफी राहत मिलेगी। ट्रांसगंगा सिटी को भविष्य में एक महत्वपूर्ण औद्योगिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, और यह बेहतर बिजली व्यवस्था इसके विकास को गति प्रदान करेगी। चेयरमैन और विभागीय अधिकारियों की टीम गुरुवार सुबह ट्रांसगंगा सिटी स्थित सब-स्टेशन पहुंची थी।उन्होंने ऑपरेशन रूम, कंट्रोल सिस्टम और बैकअप व्यवस्थाओं का भी बारीकी से निरीक्षण किया। चेयरमैन ने इंजीनियरों को निर्देश दिए कि किसी भी तकनीकी समस्या या उपभोक्ता शिकायत का तत्काल निराकरण किया जाए।बिजली विभाग द्वारा किए जा रहे इस निरीक्षण अभियान से उपभोक्ताओं में उम्मीद बढ़ी है कि आने वाले दिनों में उन्नाव शहर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों और औद्योगिक इकाइयों को भी बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

ट्रस्ट की जमीन पर झोपडी डालकर रह रहे लोगों से मांगे गये दस्तावेज

अमन लेखनी समाचार

मौरावा, उन्नाव। नगर पंचायत में रकफ अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। बेनीगंज स्थित मेला रामलीला ट्रस्ट की जमीन पर बनी संदिग्ध झोपड़ियों की सूचना पर अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी, पुरवा लेखपाल निशांत वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष कुंवर विवेक सेठ और नगर पंचायत मौरावा का स्टाफ मौके पर पहुंचा। टीम ने प्रत्येक झोपड़ी में जाकर वहां रह रहे लोगों के कागजात की बारीकी से जांच की। जांच में सामने आया कि कुछ लोग बिना किसी पहचान पत्र के रह रहे थे, जबकि कई झोपड़ियां खाली मिलीं। नायब तहसीलदार ने जब निवासियों से पूछा कि वे किसके कहने पर ट्रस्ट की जमीन पर काबिज हैं, तो उन्होंने बताया कि पूर्व नगर अध्यक्ष ने 1100 रुपये लेकर उन्हें यह जमीन रहने के लिए दी थी। हालांकि, उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले और वे आगे जानकारी देने में असमर्थ रहे। अधिकारियों ने सभी निवासियों को निर्देश दिया कि वे अपने पहचान पत्र और दस्तावेज लेकर नगर पंचायत मौरावा कार्यालय में उपस्थित हों और ट्रस्ट की भूमि तुरंत खाली करें। प्रशासन अब मेला रामलीला ट्रस्ट की जमीन को बेचने या कब्जा दिलाने के मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है। इसी दौरान टीम हिलौली रोड स्थित मुकरबा बाबा क्षेत्र भी पहुंची। यहां शिकायत मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं। जांच के दौरान कुछ व्यक्तियों ने बताया कि वे इलाज के लिए वर्षों से यहां अस्थायी रूप से रुकते आए हैं। रकफ अभियान के तहत सभी की पहचान की जांच अनिवार्य की गई है। पिछले दिनों लखनऊ में पहचान छिपाकर सरकारी नौकरी करने का मामला सामने आने के बाद जिले में सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी कारण मौरावानगर पंचायत के हर वार्ड में संदेह के आधार पर जांच की जाएगी, ताकि बांग्लादेशी या रोहिंग्या जैसे संदिग्ध लोग न छिपे हों। नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी ने बताया कि यह जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। मेला रामलीला ट्रस्ट की जमीन पर अवैध कब्जा दिए जाने और दस्तावेजों के नाम पर ली गई रकम को लेकर भी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संदिग्ध झोपड़ियों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे और संबंधित वार्डों में व्यापक सत्यापन अभियान चलाया जाएगा।

आग जलाने के मामूली से विवाद पर युवक को मारा डंडा इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नुरुद्दीन नगर में गुरुवार को आग जलाने के मामूली विवाद में 22 वर्षीय युवक तुफैल अहमद की मौत हो गई। आरोप है कि पड़ोसी रहमत अली (23) ने बहस के दौरान तुफैल के सिर पर डंडे से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने घायल तुफैल को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे गंभीर हालत में भर्ती किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया, जिसे कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नियंत्रित किया। पुलिस ने तुफैल के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवकों के बीच कोई पुराना विवाद नहीं था। यह घटना अचानक हुई तकरार का परिणाम प्रतीत होती है। कोतवाली सदर पुलिस ने आरोपी रहमत अली के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिशें दी जा रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, तुफैल अपने माता-पिता के साथ रहता था और दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। पड़ोसियों ने बताया कि दोनों युवकों में सामान्य बोलचाल थी, लेकिन आग जलाने को लेकर हुआ विवाद हिंसक हो गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था नियंत्रण में है। मामले की विवेचना जारी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सच्ची भक्ति किसी भी उम्र,परिस्थिति में प्रभु से साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त कर सकती है

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। जगत गुरु स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य रामानुजाचार्य हितेश जी महाराज तीसरे दिन की श्रीमद् भागवत कथा में ज्ञान,वैराग्य की विस्तृत चर्चा की उन्होंने कहा प्रभु के प्रति अटूट श्रद्धा हो तो उनका साक्षात्कार कभी भी हो सकता है।इसके लिए समय,उम्र का कोई महत्व नहीं है कथा प्रवक्ता ने ध्रुव , भरत, प्रहलाद अजामिल आदि के चरित्र से जुड़े अनेकों प्रसंग सुनाए। ज्ञान यज्ञ में भक्ति की चर्चा करते हुए आचार्य हितेश जी महाराज ने बताया कि भक्ति उम्र या परिस्थिति की मोहताज नहीं होती सच्ची लगन से हर कोई ईश्वर को पा सकता है और सांसारिक आसक्ति से दूर रहकर ही परम सुख मिलता है। बालक ध्रुव चरित्र को रेखांकित करते हुए कहा ध्रुव को सौतेली माँ सुरुचि द्वारा अपमानित करने पर, उन्होंने पिता की गोद में जाने का अधिकार माँगा, लेकिन जब नहीं मिला, तो दृढ़ संकल्प लेकर कठोर तपस्या की और भगवान से मिलकर ध्रुव तारे के रूप में अमर हो गए, जो दृढ़ निश्चय और भक्ति का प्रतीक है।इसी प्रकार भरत चरित्र की कथा सिखाती है कि संत को संसार की आसक्ति से दूर रहना चाहिए। अजामिल का प्रसंग प्रभु नाम-स्मरण की शक्ति दिखाता है।नाम जप में क्या शक्ति है अजामिल से बड़ा उदाहरण और नहीं हो सकता अजामिल ने मृत्यु के समय 'नारायण' शब्द का उच्चारण किया हालांकि यह नाम उनके बेटे का था पर भगवान ने आकर अजामिल का उद्धार किया। भक्त प्रह्लाद ने अपने पिता हिरण्यकश्यप के अत्याचारों के बावजूद भगवान से विश्वास नहीं हटाया। अटूट भक्ति के कारण ही भगवान ने नरसिंह अवतार लेकर हिरण्यकश्यप का वध किया और प्रह्लाद को बचाया। कथा वाचक हितेश महाराज ने दोहराया कि जो ईश्वर पर अटूट विश्वास रखता है भगवान उसका अहित नहीं होने देते प्रति क्षण उसकी रक्षा करतें हैं जरूरी यह है प्रभु के चरणों में अपने को समर्पित कर दीजिए।जीवन में धैर्य, दृढ़ संकल्प, वैराग्य, सत्य और भगवान के प्रति अटूट भक्ति यह बताती हैं कि सच्ची भक्ति किसी भी उम्र या परिस्थिति में ईश्वर से मिलन करा सकती है।तीसरे दिन की कथा में प्रमुख रूप से बालशंकर त्रिपाठी,संतोष सोनी,सत्येंद्र सिंह,देवेश गुप्ता, डॉ नीरज कुमार मिश्र,रंजीत सभासद,सुरेंद्र सिंहराकेश गुप्ता,विशाल श्रीवास्तव,अविरल शुक्ल,अनुराग बाजपेई, छुन्नी गुप्ता, डब्बू शुक्ल,गुड्डू कोटेदार,पंडित हीरालाल त्रिपाठी,रेखा गुप्ता,ऋषभ त्रिपाठी निशेष गुप्ता,दिनेश गुप्ता सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे।

सम्पादकीय

स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष बन गया था वंदे मातरम्

वंदे मातरम् भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जिसने करोड़ों लोगों को एकजुट किया। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि इसने लाखों भारतीयों में देशभक्ति की भावना को जागृत किया है। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रेरणादायक उद्घोष बन गया था। जिस मंत्र, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का स्मरण करना देश का बहुत बड़ा सौभाग्य है। वंदे मातरम् केवल भारत का राष्ट्रीय गीत ही नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण भी है। यह बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रथम उद्घोषणा है। इसने हमें याद दिलाया कि भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसकी एकता उसकी संस्कृति और सभ्यता से आती है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम् के 150 साल पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं। वंदे मातरम् पर पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम्' अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था, उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था। उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कि पिछले दशकों में वंदे मातरम् के साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है। जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। 150 वर्ष उस महान अध्याय और उस गौरव को पुनः स्थापित करने का अवसर है। मोदी ने कहा कि मेरा मानना है कि देश और सदन, दोनों को इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। यही वंदे मातरम् है, जिसने 1947 में देश को आजादी दिलाई। अब संसद में इस पर चर्चा की जरूरत क्यों पड़ी। दरअसल, सरकार चाहती है कि वंदे मातरम् पर चर्चा से देश में राष्ट्रभावना, सांस्कृतिक गौरव और एकता का संदेश जाए। यह विषय जनता में भावनात्मक जुड़ाव भी पैदा करता है। बता दें कि वंदे मातरम् का प्रकाशन 1882 में हुआ और यह आनंद मठ के उपन्यास में शामिल हुआ। पहली बार इसे 1896 में कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया और उस समय जल्द ही यह स्वतंत्रता आंदोलन का अनौपचारिक राष्ट्रगान बन गया। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत सड़कों पर गूंजने लगा और इसने लोगों को एकजुट करने का काम किया। इसी गीत ने आजादी की तड़प को लोगों के दिलों में और मजबूत किया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसी महान हस्तियों ने भी इसकी भावना को सराहा। 1950 में जब भारत गणराज्य बना, तो जन-गण-मन को राष्ट्रगान चुना गया, लेकिन वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया। वंदे मातरम् का सम्मान करना चाहिए। इस गीत का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। यह गीत हमारी मातृभूमि की सेवा और उसकी एकता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने, न कि विभाजन का।

शीत सत्र

अजीत लाड

सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए, वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में समझना जरूरी है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है, किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है।

गतिरोध में थमती संसद की उत्पादकता

भारत की संसद का यह शीतकालीन सत्र ऐसे समय शुरू हुआ है जब देश तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक चुनौतियों और व्यापक नीतिगत निर्णयों के बीच खड़ा है। सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए। वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है। असहमति लोकतांत्रिक प्राण है। किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है। पिछले कुछ सत्रों का डेटा स्पष्ट संकेत देता है कि संसद अपेक्षित स्तर पर काम नहीं कर पा रही। 2024 के मानसून सत्र में लोकसभा अपने निर्धारित समय का मात्र 29 प्रतिशत चली और राज्यसभा 34 प्रतिशत। सूचीबद्ध प्रश्नों में से 419 प्रश्नों पर केवल 55 उत्तर प्राप्त हुए। 2024 का शीतकालीन सत्र भी औसत से कम रहा। इससे पहले भी 2023 का बजट सत्र और कई अन्य सत्र, विभिन्न विवादों और बाहरी रिपोर्टों को आधार बनाकर, लगातार बाधित होते रहे। कुछ मुद्दे बाद में तकनीकी रूप से संदिग्ध या अधूरे पाए गए, लेकिन तब तक संसद का अनमोल समय नष्ट हो चुका था। यह प्रवृत्ति किसी एक दल की आलोचना नहीं, यह बताने योग्य चेतावनी है कि राजनीति की मौजूदा शैली अधीर होती जा रही है और बहस की परंपरा कमजोर पड़ रही है।

संसद का हर मिनट लगभग लाखों रुपये खर्च करता है और यह राशि जनता के टैक्स से आती है। संसद का बाधित होना केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं, यह आर्थिक संसाधनों के दुरुपयोग, नीति निर्माण की रुकावट और नागरिकों के विश्वास को कमजोर करने वाली स्थिति है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अनिवार्य है। वह सरकार को कठोर प्रश्न पूछकर जवाबदेह बनाता है, गलतियों का खुलासा करता है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। फिर भी विपक्ष की शक्ति तभी सार्थक होती है जब वह सदन के भीतर बहस में सक्रिय हो। नारे बहस की जगह नहीं ले सकते और शोर रणनीति का विकल्प नहीं हो सकता। इसके विपरीत, सरकार ने पिछले 11 वर्षों में यह दिखाया है कि नीति-निर्माण और सुधार उसकी प्राथमिकता है व संसद के बाधित होने के बावजूद वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्षम रही है। नए संसद भवन का निर्माण, संसद की कार्यप्रणाली का डिजिटलीकरण, कागज-रहित कामकाज, अप्रासंगिक 1576 कानूनों को हटाना और 421 बिलों को पारित कराना, यह सब किसी भी सरकार के लिए असाधारण उपलब्धियां हैं। यह कार्य ऐसे समय में संभव हुआ है जब लगभग हर सत्र में किसी न किसी मुद्दे पर व्यवधान पैदा हुआ। वर्तमान शीतकालीन सत्र में सूचीबद्ध 13 महत्वपूर्ण विधेयक देश की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासनिक ढांचे को सीधे प्रभावित करते हैं। परमाणु

ऊर्जा प्रबंधन, राष्ट्रीय उच्च शिक्षा आयोग, दिवालियापन प्रक्रिया सुधार, सिक्योरिटीज मार्केट कोड, राजमार्ग संशोधन, बीमा और कर संबंधी कानूनों में बदलाव। ये सभी ऐसे निर्णय हैं जो भारत की उभरती अर्थव्यवस्था को अगले दशक की दिशा देंगे। ऐसे में जनता को यह जानने का अधिकार है कि इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर गंभीर चर्चा क्यों नहीं हो पाती और सत्र बार-बार अवरोध का शिकार क्यों बनता है? आज भारत वैश्विक मंचों पर नीति-स्थिरता, सुधारवादी दृष्टि और प्रशासनिक दक्षता के कारण सम्मान प्राप्त कर रहा है। जब दुनिया ऊर्जा सुरक्षा, सप्लाई-चेन स्थिरता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक संतुलन की चुनौती देख रही है, भारत को अपनी नीतियों में त्वरित निर्णय और स्पष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस संदर्भ में संसद का हर सत्र देश की सामरिक और आर्थिक दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण बन जाता है। ऐसे समय में अवरोध की राजनीति केवल घरेलू नीतियों को नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के प्रति विश्वास को भी प्रभावित कर सकती है। लोकतंत्र में बहस की संस्कृति केवल सत्ता बदलने का साधन नहीं, यह शासन की गुणवत्ता तय करती है। सरकार पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष की जिम्मेदारी है, पर उन सवालों को प्रश्नकाल, शून्यकाल और विधायी बहसों में उठाया जाना चाहिए, न कि हंगामे में खो जाने देना चाहिए। लोकतंत्र को शोर की जरूरत नहीं, जवाबदेही की जरूरत है। फिर भी यह मानना गलत होगा कि सारा दोष केवल एक प्रवृत्ति या समूह का है। भारत की राजनीति में टकराव स्वाभाविक है, और कभी-कभी भावनाएं उग्र भी हो जाती हैं। इन सबसे परे परिपक्व लोकतंत्र वे हैं जो उस उग्रता को नियंत्रित कर लेते हैं, उसे बहस में ढाल देते हैं और नीति-निर्माण को प्राथमिकता देते हैं। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसे भारत को और मजबूती से अपनाने की आवश्यकता है। सरकार को जनता ने लगातार इसीलिए समर्थन दिया है क्योंकि उसका जोर रोजमर्रा की राजनीति के शोर से ऊपर उठकर परिणामों पर रहा है। जनधन योजना, जीएसटी, दिवालियापन कानून, डिजिटल पेमेंट संरचना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, यूपीआई विस्तार, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य ढांचे का विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्पष्ट नीति। ये वो सुधार हैं, जिन्होंने भारत की विकास दिशा तय की है। यही कारण है कि जनता सरकार से यह उम्मीद करती है कि वह अपनी नीतिगत प्रतिबद्धताओं पर मजबूती से आगे बढ़ती रहे और इस प्रक्रिया में विपक्ष का सहयोग या कम से कम, उसका संवैधानिक आचरण उतना ही आवश्यक है।

संसद का समय राष्ट्र का समय है। यह किसी दल या नेता का निजी परिसर नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा का केंद्र है। इसलिए संसद की गरिमा केवल भाषणों में नहीं, आचरण में दिखनी चाहिए। बहसें हों, कठोर सवाल उठें, सरकार घिरे, लेकिन यह सब प्रक्रिया के भीतर हो। जब संसद रुकती है तो देश रुकता है। जब कार्यवाही ठप होती है, तो भविष्य ठहर जाता है। भारत आज निर्णायक मोड़ पर है-आर्थिक उछाल, वैश्विक भरोसा, युवाओं की बढ़ती आकांक्षाएं और तकनीकी क्रांति। ये सब संकेत देते हैं कि आने वाला दशक भारत का हो सकता है। फिर भी यह तभी संभव है जब संसद अपनी मूल भूमिका में लौटे। बहस, तथ्य, नीति और राष्ट्रहित के आधार पर निर्णय हों। सरकार अपनी उत्पादकता बनाए रखे और विपक्ष अपनी सार्थक भूमिका निभाए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संतुलन में है। यही वह संतुलन है, जिसे इस सत्र में पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अंततः लोकतंत्र की वास्तविक आवाज बहस में है, शोर में नहीं।

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा

भ्रष्टाचार के मकड़जाल में फंसी है पूरी दुनिया

दुनिया के लगभग हर देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार की इस महामारी से विश्व मुक्त नहीं हो पाया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों में जन जागरण और चेतना जगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक दिवसों का आयोजन किया जाता है, इनमें एक दिवस भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है, भ्रष्टाचार का मुकाबला करने की खातिर वैश्विक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में रिश्वत की वार्षिक मात्रा एक ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। भ्रष्टाचार के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत से अधिक है। यह अकाट्य सत्य है कि दुनियाभर में भ्रष्टाचार की वजह से न केवल आर्थिक विकास पर असर पड़ता है बल्कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास को भी ठेस पहुंचती है। विश्व का कोई भी देश भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास में बाधक है, लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाता है। भ्रष्टाचार से सामाजिक असामानता फैलती है। हर साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी जारी करता है, जिसमें भ्रष्टतम देश शामिल किए जाते हैं। मगर लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका। यह हमारे सिस्टम का फेलियोर है या सत्ताधीशों का, इस पर चिंतन और मनन की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक भ्रष्टाचार अपराध है जो सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है। वर्तमान में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है। इससे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है। भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट आचरण यानि जिसका आचार बिगड़ गया हो। स्वार्थ में लिप्त होकर किया गया गलत कार्य भ्रष्टाचार होता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं- रिश्वत, कमीशन लेना, काला बाजारी, मुनाफाखोरी, मिलावट, कर्तव्य से भागना, चोर-अपराधियों आतंकियों को सहयोग करना आदि आदि। इसका सीधा मतलब है जब कोई व्यक्ति समाज द्वारा स्थापित नैतिकता के आचरण का उल्लंघन करता है तो वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। यहां भ्रष्टाचार से हमारा तात्पर्य अनैतिक और गलत तरीके से अर्जित आय से है। भारत में भ्रष्टाचार ने लगता है संस्थागत रूप धारण कर लिया है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलेआम यह कहा है कि वे न तो खाएंगे और न खाने देंगे। मोदी अपनी बात पर कायम रहे, मगर भ्रष्टाचार पर काबू नहीं पाया जा सका है। दुनिया के भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के द इंडिया करप्शन सर्वे 2024 के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 96वें स्थान पर रहा। इससे पहले साल 2023 में 93 और 2022 में भारत की रैंकिंग 85 थी, जो इस साल बढ़कर 96 हो गई है। दुनिया में सबसे भ्रष्ट देश सोमालिया है, जबकि सबसे कम भ्रष्ट डेनमार्क है, जो लगातार छठे साल भी ग्लोबल करप्शन इंडेक्स में टॉप पर है।

140 करोड़ की आबादी का आधा भारत आज रिश्वतखोरी के मकड़जाल में फंसा हुआ है। स्थिति यह हो गई है कि बिना रिश्वत दिए आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। हमारे देश में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि इसने समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। एनसीआरबी और लोकल सर्कल इंडिया करप्शरन सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेकख किया गया है कि लोगों को सबसे ज्यादा घूस जमीन से जुड़े मामलों में देनी पड़ रही है। इसके बाद दूसरे सबसे भ्रष्ट महकमों में पुलिस शामिल है। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है।

मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं?

संकलित

दर्शन

जब ईश्वर का वास हृदय में माना गया है, तो मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं? मंदिरों की स्थापना के पीछे उद्देश्य था कि पूजा, अर्चना और यज्ञ आदि द्वारा पवित्र तन्मात्रओं यानी पंचभूतों के सूक्ष्म रूप की सृष्टि की जाए। किसी साधु हृदय व्यक्ति को पूजा का कार्यभार सौंपा जाए। स्थान का मन पर अदृश्य प्रभाव पड़ता है। चिकित्सालय में व्यक्ति को हर तरफ रोग और रोगी ही दिखते हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी वहां अशक्त महसूस करने लगता है। हमारे शरीर से प्रतिदिन शुभ या अशुभ अदृश्य सूक्ष्म शक्ति-राशि का उत्सर्जन होता रहता है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति काम, क्रोध और आलस्य बाहर छोड़कर ईश्वर के प्रति भक्तिभाव से जाता है। यह सामूहिक भक्ति या उपासना शुभ तन्मात्रओं व तरंगों का सृजन करती है। अतः यहां आगमन दुर्बल मन वाले मनुष्यों में ऊर्जा का संचार करता है। सज्जनों से ही प्रार्थना स्थलों की पवित्रता बनी रहती है। यदि मंदिर में असाधु व्यक्तियों का आवागमन बढ़ जाए तो स्थान अपनी पवित्रता खोने लगता है। पवित्र श्रवण मास में शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल-फूल आदि चढ़ाकर पुण्य अर्जित करने की होड़ लगी रहती है। यदि ईश्वर है और वह हमारी प्रार्थना से प्रसन्न होता है तो वह एक बेलपत्र, अंजुली भर दूध या एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाएगा। सावन के महीने से इतर भी ये दृश्य आमतौर पर मंदिरों में आम होते हैं। यदि यह व्यवस्था सुचारु न हो तो अव्यवस्था स्वाभाविक है। इसी कारण कई मंदिरों में व्यक्तिगत रूप से भोग-अर्पण की मनाही है।

बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर दें ध्यान

संकलित

प्रेरणा

महाभारत में दो खास परिवार हैं, पहला पांडव और दूसरा है कौरव। पांडव परिवार में कुंती और पांच पुत्र थे। जबकि कौरव परिवार में धृतराष्ट्र और गांधारी के साथ ही सौ पुत्र थे। पांडवों के पास सुख-सुविधाओं का अभाव था, जबकि कौरवों के पास सारी सुख-सुविधाएं थीं। महाभारत में कुंती अपने पांच पुत्रों के साथ वन में रह रही थीं, क्योंकि धृतराष्ट्र और दुर्योधन नहीं चाहते थे कि पांडु के पुत्रों को राज्य मिले। धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन अधर्मी था। वह बचपन से ही पांडव पुत्रों को परेशान कर रहा था। कुंती के पति पांडु शाप की वजह से मर चुके थे। पांडु की दूसरी पत्नी माद्री भी जीवित नहीं थी। इन दोनों के बाद कुंती को पांच पुत्रों का पालन करना था। तीन पुत्र कुंती के थे और दो पुत्र माद्री के थे। कुंती जानती थीं कि जंगल में तो कोई सुख-सुविधा तो मिलेगी नहीं, इसलिए कुंती ने बच्चों का पालन करते समय संस्कारों पर ज्यादा ध्यान दिया। दूसरी ओर कौरव पक्ष में धृतराष्ट्र अंधे थे, गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। दुर्योधन और उसके भाई लगातार गलत काम कर रहे थे, लेकिन माता-पिता ने उनकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि सभी कौरव पुत्र अधर्मी हो गए। महाभारत युद्ध में जब श्रीकृष्ण को ये निर्णय लेना था कि किसके पक्ष में रहेंगे, तब उन्होंने धर्म मार्ग पर चल रहे पांडव पुत्रों को चुना। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों को सुख-सुविधा की हर एक चीज दी थी, लेकिन अच्छे संस्कार नहीं दिए थे। संतान के मोह में धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को सही-गलत का फर्क नहीं बताया।

अंतर्मन

आज की पाती

अन्याय कभी भी सहन मत करो

यदि आज हम किसी अन्य के साथ हो रहे अन्याय का विरोध नहीं करते, तो यकीन मानिए एक दिन हम स्वयं भी उसी अन्याय का शिकार अवश्य ही होंगे। यही समय है, यही पल, यही क्षण है। ये इंतजार कभी भी नहीं कीजिए, कि केवल हमारे ही साथ कहीं कभी अन्याय होगा, तभी हम किसी सड़ी हुई विकृत व्यवस्था का विरोध करेंगे। फिर उस वक्त व्यर्थ के रुदन, रोने-धोने से कोई लाभ, कोई सकारात्मक प्राप्ति होना अत्यंत ही कठिन या संभवतः असंभव हो सकता है। एक बहुत प्रसिद्ध उक्ति है कि न्याय में देरी, लगभग अन्याय के ही बराबर है। देश, समाज, दुनिया में कहीं एक जगह, किसी एक के साथ हो रहा अन्याय, हर जगह अन्याय होना भी माना जा सकता है। आम तौर पर लोग अन्याय का विरोध नहीं करते हैं, जिसके परिणाम भयंकर होते हैं। इसलिए अन्याय कभी भी सहन मत करो।

- पवन सोनी, धमतरी

करंट अफेयर

अमेरिकी रक्षा नीति में भारत से व्यापक संबंध बनाने पर जोर

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके। रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है।

ऑफ बीट

क्या कॉफी वाकई कैफीन मुक्त होती है

डिकैफ़िनेटेड या 'कैफीन मुक्त' कॉफ़ी व्यापक रूप से उपलब्ध है, और इसकी खपत में वृद्धि होने की सूचना है। यहां आपको कैफीन मुक्त कॉफ़ी के बारे में जानने की आवश्यकता है: यह कैसे बनाई जाती है, स्वाद, लाभ - और क्या यह वास्तव में कैफीन मुक्त है। डिकैफ़ कैसे बनता है? कॉफ़ी बीन की सुगंध और स्वाद को बरकरार रखते हुए कैफीन को हटाना कोई आसान काम नहीं है। डिकैफ़ कॉफ़ी हरे, बिना भुने कॉफ़ी बीन्स से उनकी कैफीन सामग्री को हटाकर बनाई जाती है और इस तथ्य पर निर्भर करती है कि कैफीन पानी में घुल जाता है।

ट्रेंड

नई चेतना का संचार

'सुप्रभातम कार्यक्रम में मैं एक विशेष हिस्से की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। यह है संस्कृत सुभाषित। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति और विरासत को लेकर एक नई चेतना का संचार होता है। यह है आज का सुभाषित।'

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मन को संतुष्टि मिली

'श्री हरमंदिर साहिब में शीश नवाने के बाद मेरे मन को संतुष्टि मिली। वाहेगुरु जी, आप अपनी कृपा दृष्टि सभी पर बनाए रखें।' मैं दिल्ली के लाल किले में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन के बाद शुक्रिया अदा करने आई हूं।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे

धरम जी, जन्मदिन मुबारक हो..आपको गए हुए दो सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है। मैं धीरे-धीरे खुद को संभाल रही हूं। आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे" आपके साथ बिताई जीवन की 'खुशनुमा यादें' कभी मिट नहीं सकतीं। इन पलों को याद करके बड़ा सुकून व खुशी मिलती है।

-हेमा मालिनी, सांसद

बेहतर महसूस कर रहा

मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मुझे लगता है कि जिस दिन मैं यहां आया था, उस दिन से लेकर आज तक मैंने कौशल विकास और अभ्यास के कई सत्रों में हिस्सा लिया है। सीओई ने खेलने की अनुमति दे दी है।

-शुभमन गिल, उपकप्तान, भारतीय टी20 टीम

संक्षेप

जयसिंहपुर में नहर पटरी पर संदिग्ध हालत में मिली कार

छत पर चाबी, नंबर प्लेट टूटी; ग्रामीणों ने खून के धब्बे देखे

जयसिंहपुर , जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के बसायकपुर गांव में शारदा सहायक खंड-16 नहर पटरी पर मंगलवार सुबह एक अर्टिका कार संदिग्ध हालत में खड़ी मिली। कार की छत पर चाबी रखी थी और उसमें सीएनजी-पेट्रोल दोनों खत्म हो चुके थे। सुबह सैर पर निकले ग्रामीणों ने इसे देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन को टोचन कर कोतवाली पहुंचाया। ग्रामीणों ने बताया कि कार के दरवाजों और बॉडी पर खून जैसे धब्बे भी दिखाई दिए। आशंका जताई जा रही है कि रात में कार खराब होने या ईंधन खत्म होने के बाद अज्ञात लोग इसे छोड़कर भाग गए। कार की नंबर प्लेट टूटी हुई मिली है, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पुलिस कार मालिक का विवरण खंगाल रही है।

शारदा सहायक नहर में पहुंचा पानी

लौहर पश्चिम के किसानों को रबी फसलों में मिलेगी मदद

सुलतानपुर , लौहर पश्चिम क्षेत्र में लंबे इंतजार के बाद शारदा सहायक नहर में पानी पहुंच गया है। नहर में साफ और तेज बहाव के साथ पानी आने से किसानों को रबी की फसलों की सिंचाई की समस्या से राहत मिली है। स्थानीय किसानों के अनुसार, नहर में समय पर पानी मिलने से गेहूं, चना, मटर सहित अन्य रबी फसलों की बुवाई और सिंचाई का काम अब सुचारू रूप से हो सकेगा। किसानों ने सरकार और संबंधित विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका मानना है कि पानी की उपलब्धता से कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की पूरी उम्मीद है। ग्राम लौहर पश्चिम के किसान रामकिशोर यादव ने बताया, ह्लहमें कई दिनों से नहर के पानी का इंतजार था। अब फसल सुरक्षित है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

2वर्ष की बेटी के सर से उठा पिता का साया

जयसिंहपुर , जयसिंहपुर क्षेत्र के बांसगांव के पास सोमवार को हुए एक सड़क हादसे में घायल रेलवे कर्मचारी की लखनऊ ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव उनके घर पहुंचा, जिससे गांव में शोक का माहौल छा गया। मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर नानेमऊ निवासी जितेंद्र कुमार शर्मा (पुत्र अमरनाथ शर्मा) प्रयागराज स्थित रेलवे विभाग के डीआरएम कार्यालय में कार्यरत थे। सोमवार को वह छुट्टी बिताकर ड्यूटी के लिए अपने घर से निकले थे। लखनऊ-बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर बांसगांव पहुंचते ही उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सरकारी एंबुलेंस से सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। वहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। हालांकि, लखनऊ पहुंचने से पहले ही जितेंद्र ने रास्ते में दम तोड़ दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद जितेंद्र का शव गांव पहुंचा। उनकी पत्नी रितु शर्मा, पिता अमरनाथ शर्मा और अन्य परिजनों का दुख से बुरा हाल था।

मरौचा ग्रामीण स्टेडियम में मनाया गया पीआरडी का 77वां स्थापना दिवस

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। विकास खंड तेजवापुर स्थित मरौचा ग्रामीण स्टेडियम में गुरुवार को प्रांतीय रक्षक दल जनपद बहराइच का 77वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बहराइच/श्रावस्ती एमएलसी डॉक्टर प्रज्ञा त्रिपाठी उपस्थिति रहीं। मुख्य अतिथि डा. प्रज्ञा त्रिपाठी ने मां सरस्वती व सुषाभ चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि डा. प्रज्ञा त्रिपाठी ने प्रांतीय रक्षक दल का मान-प्रणाम स्वीकार किया गया। तत्पश्चात परेड का निरीक्षण किया गया। स्थापना दिवस परेड के अंतर्गत परेड के अतिरिक्त विभिन्न टोलियों में टीम बनाकर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हुआ। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक खेल रस्सा कशी का रहा, जिसे दर्शकों ने भी लुफ्त उठाया। मुख्य अतिथि डा. प्रज्ञा त्रिपाठी ने पीआरडी जवानों का उत्साहवर्धन कर उनके कार्य की जमकर प्रशंसा की। मुख्य अतिथि डा. प्रज्ञा त्रिपाठी ने विजेता और उपविजेता टीम को और टीम के प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डा. प्रज्ञा त्रिपाठी ने समस्त पीआरडी जवानों को नकद पुरस्कार भी दिया। कार्यक्रम के दौरान जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी प्राची पंवार, कार्यक्रम प्रभारी अजय गुप्ता (क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी) व अन्य क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आलोक सिंह, अखिलेश चौधरी, शैलेश मिश्रा एवं विनम्र शुक्ला मौजूद रहें।

जनप्रतिनिधियों व बूथ लेवल एजेंट के साथ बीएलओ ने बैठक कर दी जानकारी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत समस्त बीएलओ को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपने विद्यालय में बैठकर जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट के साथ प्राथमिक विद्यालय देवलखा में बैठक करे। बैठक के दौरान बीएलओ द्वारा डुप्लीकेट मृतक शिफ्टेड तथा अनुपस्थित मतदाताओं के बारे में जानकारी दी गई। दौरान जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के एजेंट को सूची भी उपलब्ध कराई गई।

डीएम व एसपी ने थाना रिसिया क्षेत्रान्तर्गत नवनिर्मित पुलिस चौकी कटिलिया का किया लोकार्पण

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह की उपस्थिति में थाना रिसिया क्षेत्रान्तर्गत जनसहयोग से नवनिर्मित पुलिस चौकी कटिलिया का विधि विधान से पूजा अर्चना कर स्थानीय छात्र द्वारा फीता काट कर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री त्रिपाठी ने कहा कि नई पुलिस चौकी स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। चौकी के निर्माण से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था स्थापित होगी तथा आपातकाल की स्थिति में लोगों को नजदीकी पुलिस चौकी से सहायता मिल सकेगी। साथ ही अपराध की रोकथाम में भी पुलिस चौकी की भूमिका अहम होगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य, सम्भ्रान्तजनों द्वारा चौकी परिसर में पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगान का गायन भी किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर अशोक कुमार सिंह, एसडीएम पयागपुर श्रीमती पूजा चौधरी, क्षेत्राधिकारी पयागपुर श्रीमती हर्षिता तिवारी, क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुच सिंह, थाना प्रभारी पयागपुर करूणाकर पाण्डेय, चौकी प्रभारी गुरुसेन सिंह सहित पुलिस बल के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण एवं ग्रामीणजन व सम्भ्रांतजन मौजूद रहे।

छात्र छात्राओं को पढ़ाया गया फसल अवशेष प्रबंधन का पाठ

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। कृषि विज्ञान केन्द्र नानपारा पर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉक्टर संदीप कुमार के दिशा निर्देशन में फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना अंतर्गत मोबिलाइजेशन आफ स्कूल स्टूडेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एक्सिस अकादमी इंग्लिश मीडियम स्कूल रामगांव, बहराइच में संपन्न कराया गया जिसमें कुल 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल के छात्र-छात्राओं को निबंध प्रतियोगिता एवं अन्य कार्यक्रम कराए गए तथा उन्हें पुरस्कार भी वितरित किया गया। केंद्र वैज्ञानिक सुनील कुमार ने छात्र छात्रों को बताया कि फसलों के अवशेष जलाने से मृदा में मौजूद सूक्ष्म जीव व पोषक तत्व जलकर नष्ट हो जाते हैं इसके साथ ही साथ मृदा में कठोरता भी आती है उन्हें बताया कि जीवाश्म पदार्थ की मात्रा भी घटती है केंद्र के वैज्ञानिक डॉ रेनू आर्या ने छात्र एवं छात्राओं को बताया कि पराली व अन्य फसलों के अवशेषों को खेत में पूसा डी कंपोजर की सहायता से सडाये तथा सुपर सीडर हैपी सीडर मल्चर आदि कृषि यांत्रियों का उपयोग कर अवशेषों

का प्रबंध कर सकते हैं तथा अपने-अपने गांव में जाकर फसल अवशेष को जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में अन्य किसानों को जागरूक करने की सलाह दी।

इस कार्यक्रम के अवसर पर स्कूल के प्रबंधक शिव कुमार श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य श्रीनिवास मौर्य सहित उनके सभी स्टाफ मौजूद रहे।

पराली जलाने से मिट्टी के साथ ही मानव जीवन पर पड़ता है बुरा असरः डॉ सीपीएन गौतम

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। कृषि विज्ञान केंद्र बहराइच प्रथम के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉक्टर सीपीएन गौतम के दिशा निर्देशन में इन सीटू फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्राम सभा मोहम्मदपुर ककरहा पयागपुर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक बब्बन सिंह ने किया। साथ ही किसानों को पराली जलाने से होने वाले हानिकारक प्रभाव के बारे में किसानों को जागरूक किया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. गौतम ने बताया कि पराली जलाने के कई नुकसान हैं, जिनमें वायु प्रदूषण, मिट्टी की उर्वरता का कम होना और मानव स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है। इससे हवा में हानिकारक गैसें फैलती हैं, जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनो आक्साइड, नाइट्रोजन डाई आक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड और मीथेन, जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देती हैं। साथ ही, पराली जलाने से मिट्टी के पोषक तत्व और लाभदायक सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं। केंद्र के शस्य वैज्ञानिक डॉ. शैलेन्द्र सिंह द्वारा यह बताया गया कि रेडी-टू-यूज पूसा डीकंपोजर एक प्रकार का जैविक घोल होता है, जो पहले से तैयार होता है और इसे सीधे इस्तेमाल किया जा सकता है। यह जैविक कचरे, जैसे कि पराली, फसल के अवशेष, और गोबर को कम समय में खाद में बदलने के लिए बनाया गया है। यह सूक्ष्मजीवों का एक मिश्रण है। साथ ही पराली प्रबंधन के बारे में किसानों को विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी भी दिया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. नंदन सिंह ने बताया कि पराली के कई उपयोग हैं, जिनमें इसे मिट्टी के लिए खाद, पशुधन के लिए चारा, मशरूम उत्पादन लिए सामग्री, औद्योगिक अनुप्रयोगों (जैसे कागज और फाइबरबोर्ड बनाना) और ऊर्जा उत्पादन के लिए ईंधन के रूप में उपयोग करना शामिल है। केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार राजभर ने भी किसानों को पराली प्रबंधन के बारे में जागरूक किया। जागरूकता कार्यक्रम में काफी संख्या में किसानों ने

एसपी ने नवनिर्मित पुलिस चौकी रायबोझा का किया लोकार्पण

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक आर एन सिंह के द्वारा थाना मोतीपुर क्षेत्रान्तर्गत चौकी रायबोझा में संभ्रांतजनों की उपस्थिति में विधि विधान से पूजा अर्चना कर जनसहयोग से नवनिर्मित पुलिस चौकी का बच्चे से फीता कटवाकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर एसपी ने बताया गया कि नई पुलिस चौकी स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। चौकी के निर्माण से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था स्थापित होगी तथा आपातकाल की स्थिति में लोगों को नजदीकी पुलिस चौकी से सहायता मिल सकेगी। साथ ही अपराध की रोकथाम में भी पुलिस चौकी की भूमिका अहम होगी। इसके उपरान्त एसपी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों व पुलिस के साथ चौकी परिसर में पौधरोपण किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी, थाना प्रभारी मोतीपुर

आनन्द कुमार चौरसिया, सहित पुलिस बल के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण एवं ग्रामीणजन व सम्भ्रांत व्यक्ति मौजूद रहे।

आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है महिला सिलाई प्रशिक्षणः डा. प्रज्ञा त्रिपाठी

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। गुरुवार को तेजवापुर ब्लॉक के टेड़वा बसंतापुर स्थित इंडियन बैंक स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में महिला सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी 35 महिलाओं को प्रमाण पत्र दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एमएलसी डा. प्रज्ञा त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि उप क्षेत्रीय प्रबंधक इंडियन बैंक चक्रपाणि द्विवेदी रहे। समारोह को संबोधित करते हुए एमएलसी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण बहुत जरूरी है। सिलाई का हुनर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाता है इसके साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है। जिससे वें घर बैठे या अपना छोटा व्यवसाय शुरू करके आय अर्जित कर सकती हैं और समाज में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं। आरसेटी द्वारा जो उन्हें कपड़े सिलने, डिजाइन बनाने और माप लेने जैसे तकनीकी कौशल सीखा कर रोजगार के अवसर प्रदान करा रहा है। इस मौके पर एलडीएम जितेंद्र कुमार मसंद, जिला उपायुक्त धन्नजय सिंह, आरसेटी निदेशक रीती कुमारी, सहायक प्रबंधक डीईसी जेपी यादव, संकाय सदस्य अरविंद मिश्रा राजेश कुमार, इंदू सिंह समेत महिला प्रशिक्षु मौजूद रहीं।

निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित, दवा और चश्मा वितरित

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। रुपईडीहा थाना क्षेत्र के श्री त्रिभुवन सेवा संस्था द्वारा अपने आदर्श वाक्य सेवा, समर्पण, सदभाव के साथ सीतापुर आँख अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन चितरहिया गांव स्थिति भट्टे पर बुधवार कों आयोजित हुआ। शिविर में 176 लोगों नें रजिस्ट्रेशन कराया जिसमे से 63 लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन सहित 4 मरीजों कों विशेष जांच हेतु रेफर किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों की टीम को पूर्व प्रधान हरीश वर्मा द्वारा अंगवस्त्र और स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। पूर्व प्रधान श्री वर्मा ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी निशुल्क नेत्र आपरेशन शिविर का आयोजन किया गया है। श्री त्रिभुवन सेवा संस्था की इस पहल को समाज के असहाय व गरीबों के लिए एक बड़ा उपहार बताया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुँचकर नेत्र जांच, मोतियाबिंद आदि से सम्बन्धित परामर्श तथा अन्य नेत्र रोगों के सम्बन्ध में उचित सलाह दिया गया। चिन्हित मरीजों को ऑपरेशन की सलाह दी गई, उनके लिए निःशुल्क वाहन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। श्री त्रिभुवन सेवा संस्था द्वारा समस्त चिकित्सकों, सहयोगी टीम और उपस्थित नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

आरएसएस द्वारा चलाया गया वृहद गृह संपर्क अभियान

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर आरएसएस के कार्यकताओं ने बीते बुधवार कों सह जिला प्रचार प्रमुख विवेक कुमार शुक्ला (एडवोकेट) एवं सह खंड कार्यवाह दीपक शर्मा के नेतृत्व में बाबागंज क्षेत्र में घर-घर संपर्क अभियान चलाया। जन संपर्क के दौरान भारत माता के चित्र भेंट किए। देशभक्ति की भावना को सशक्त बनाने का संदेश दिया। राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृतियों के संरक्षण का आवाहन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे सह जिला प्रचार प्रमुख विवेक कुमार शुक्ला ने बताया कि आरएसएस अपना शताब्दी वर्ष सामाजिक जागरूकता और संगठित शक्ति के नए संकल्प के साथ मना रहा है। उन्होंने कहा कि संघ सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वावलंबन और नागरिक कर्तव्यों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर घर-घर संपर्क कर रहा है। इसका उद्देश्य समाज में इन मूल्यों को प्रभावी ढंग से स्थापित करना है।

लालगंज में लेखपाल पर अवैध वसूली का आरोप

धान खरीद सत्यापन में किसानों से वसूली, एसडीएम ने जांच के आदेश दिए

अमन लेखनी समाचार

लालगंज (प्रतापगढ़) , लालगंज में हल्का लेखपाल पर धान खरीद सत्यापन के नाम पर अवैध वसूली का आरोप लगा है। इस मामले को लेकर अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन किया और एसडीएम से कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार को पांच दिन के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। जिला प्रशासन ने धान खरीद के लिए न्याय पंचायत स्तर पर क्रय केंद्र स्थापित किए हैं, जहां वास्तविक सत्यापन के लिए राजस्व कर्मचारियों को लगाया गया है। आरोप है कि लालगंज तहसील के जगन्नाथपुर स्थित क्रय केंद्र पर हल्का लेखपाल किसानों से उपज के सत्यापन के नाम पर अवैध वसूली कर रहा है। काश्तकार शिवेंद्र तिवारी ने बताया कि जब उन्होंने अवैध वसूली का विरोध किया, तो लेखपाल ने उच्च अधिकारियों को भी हिस्सा देने का दावा किया। अधिवक्ताओं ने इस संबंध में एसडीएम लालगंज से शिकायत की। एसडीएम लालगंज ने तहसीलदार को मामले की जांच करने और पांच दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है, ताकि आरोपित लेखपाल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। एसडीएम लालगंज ने कहा कि अधिवक्ता और किसानों की ओर से लेखपाल द्वारा धान खरीद के सत्यापन में अवैध वसूली की शिकायत प्राप्त हुई है। तहसीलदार से मामले की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति पेज 5:0 के तहत महिलाओं और बच्चों को किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। मिशन शक्ति आदर्श थाना कोतवाली रूपईडीहा की मिशन शक्ति टीम द्वारा चौकी बाबागंज अन्तर्गत ग्राम सुजौली थाना रूपईडीहा में महिलाओं एवं स्कूल से आने वाली बच्चियों को उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निदेर्शों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकरी योजना के बारे मे व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया तथा पंपलेट वितरित किया गया तथा महिला संबंधी अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1090, 1098, 1076, 112, 181, 108 व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा महिलाओं एवं बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ किया और उनकी समस्याओं को सुना गया। मौके पर एक महिला द्वारा अपनी समस्या बताया गया तथा महिला से प्रार्थना पत्र भी प्राप्त हुआ जिसमें अग्रिम कार्यवाही हेतु संबंधित को दिया गया। इस अवसर पर एसएसआई दीनानाथ सागर, एसआई सूर्यभान, एचसी अर्जुन मौर्य, महिला कांस्टेबल कनक सरोज, महिला कांस्टेबल प्रिया पांडेय उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए अपने निजी कोष से समाजसेवी ने लगवाए कैमरे

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के गाँव निहालखेडा में गाँव के ही चर्चित समाजसेवी पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने गाँव को सीसीटीवी कैमरा से लैस कर दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया इस कार्य से गाँव मे अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगने के साथ सुरक्षा भी बढ़ेगी। गाँव के समस्त प्रमुख मार्ग, सार्वजनिक स्थानों व असुरक्षित स्थानों पर कैमरा लगवाये गए है। साथ ही ये कैमरे भगवन्तनगर चौकी के सिपाही प्रेम शंकर अवस्थी की निगरानी मे लगाये गये है। गाँव मे हुए इस कार्य से गाँव के प्रमुख लोगो में धुनिया प्रधान, सुरेश पटेल, मैनेजर सिंह, रमेश वर्मा, रिंकू, विक्रम यादव, कमलेश यादव, ओमप्रकाश साहू आदि में हर्ष की लहर दौड़ गयी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या का किया प्रयास

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर में गुरुवार दोपहर एक बजे एक छात्र ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाने का प्रयास किया। बांगरमऊ नगर के मोहल्ला शुक्लाना स्थित अपने मकान में 14 वर्षीय शिवांशु ने यह कदम उठाया। वह BDSR इंटर कॉलेज में कक्षा 9 का छात्र है। BDSR इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल सतीश कुमार ने बताया कि शिवांशु ने उनके कॉलेज से नौवीं कक्षा का फॉर्म भरा था, लेकिन वह कहीं और पढ़ाई करता था। जांच में पता चला कि शिवांशु सुषमा एजुकेशन सेंटर में कोचिंग पढ़ने जाता था। सुषमा एजुकेशन के प्रिंसिपल ललित शुक्ला ने बताया कि शिवांशु कोचिंग आया था, लेकिन सिरदर्द की शिकायत कर दवा लेने की बात कहकर चला गया था। परिजनों के अनुसार, शिवांशु घर आया और अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद कमरे से आवाज आने पर परिजनों ने उसे नीचे उतारा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए। सीएचसी में चिकित्सक डॉ. सागर सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, शिवांशु की हालत चिंताजनक बनी हुई है। इस घटना के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। प्रिंसिपल ललित शुक्ला ने बताया कि शिवांशु पढ़ाई-लिखाई में काफी तेज था। ऐसी स्थिति क्यों आई, यह साफ नहीं हो पा रहा है। शिवांशु रज्जन शर्मा का बेटा है। कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पांडे ने बताया कि उन्हें अभी घटना की जानकारी नहीं मिली है। शिकायत पत्र मिलने पर उचित जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप

बागपत के दो स्वयंसेवक भारतीय सेना में चयनित

माय भारत केंद्र ने सम्मान समारोह में बढ़ाया हौसला, फूलमालाएं पहनाकर स्वागत

बागपत , बागपत में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई माय भारत केंद्र बागपत के दो स्वयंसेवकों का भारतीय सेना में चयन हुआ है। स्पोर्ट्स कोटे से चयनित इन युवाओं को एक सम्मान समारोह में अधिकारियों और स्वयंसेवकों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी डॉ. योगेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी, केनरा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक अभय नाथ मिश्र और शिक्षाविद डॉ. सत्यवीर सिंह ने संयुक्त रूप से चयनित युवाओं को सम्मानित किया। अन्य स्वयंसेवकों ने भी फूलमालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया। ये दोनों युवा लंबे समय से माय भारत केंद्र से जुड़े हुए थे और विभिन्न जन-कल्याण अभियानों में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। स्वयंसेवा के दौरान उन्होंने अनुशासन, दायित्वबोध और टीमवर्क जैसी भावनाएं विकसित कीं, जिन्होंने उनके सेना में चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। माय भारत स्वयंसेवक एवं सूचना मित्र अमीर खान ने बताया कि स्वयंसेवा ने उन्हें अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता, समय प्रबंधन और टीमवर्क जैसे महत्वपूर्ण कौशल सिखाए। ये कौशल सेना की चयन प्रक्रिया में उनके लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए दूसरे चयनित स्वयंसेवक आर्यन ने कहा कि माय भारत से जुड़कर समाज और युवाओं के लिए काम करने के अवसर ने उनकी सोच को विस्तृत किया। उन्होंने युवाओं से केवल रोजगार की तलाश तक सीमित न रहने, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाने का आग्रह किया। आर्यन के अनुसार, इसी सोच ने उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुँचाया। जिला युवा अधिकारी डॉ. योगेश कुमार ने इस उपलब्धि को जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि माय भारत केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करना है। जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी ने दोनों युवाओं के स्वयंसेवी कार्यों की सराहना की, जिन्होंने प्रशासन और समाज के बीच समन्वय स्थापित करने में मदद की।

गैस से भरे टैंकर में कार ने मारी टक्कर, रिसाव

8 दमकल और एनडीआरएफ ने मोर्चा संभाला, दो घंटे तक रोका गया एक्सप्रेसवे

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , कानपुर-वाराणसी एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा होते-होते बच गया। दोपहर करीब 11:45 बजे एक अनियंत्रित कार अत्यधिक ज्वलनशील गैस से भरे टैंकर से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि टैंकर से गैस का तेजी से रिसाव शुरू हो गया। गैस लीक की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड , पुलिस टीम मौके पर पहुंची पानी की बौछार कर के गैस लीक पर काबू पाया ।करीब 2 घंटे तक हाईवे को दोनों तरफ से बंद कर दिया गया। गैस रिसाव को काबू कर लिया गया है ।हादसे में कार चालक को चोट आई है ।हादसा सहसों थाना क्षेत्र का है। कानपुर बनारस एक्सप्रेस वे पर अत्यधिक ज्वलनशील गैस से भरी एक

टैंकर बनारस की तरफ जा रही थी। सहसों के बेरुई उर्फ अल्पी का पूरा गांव के सामने दिन में करीब 11.45 बजे पीछे से आ रही एक गाड़ी अनियंत्रित होकर गैस से भरे टैंकर से टकरा गई। टकराते ही टैंकर से गैस का रिसाव होना शुरू हो गया। हादसे के बाद चालक तुरंत गाड़ी से उतरकर सुरक्षित स्थान की ओर पहुंच गया।कानपुर-वाराणसी के सेफ्टी मैनेजर अभिषेक यादव सूचना मिलते ही अपने कर्मचारी के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड , पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर 8 दमकल गाड़ियां पहुंची। बचाव कार्य शुरू किया गया। आसपास के गांवों को किया गया अलर्ट दमकल गाड़ियों ने पानी की बौछार करके गैस के प्रभाव को कम कर दिया। हाईवे के दोनों तरफ से आवागमन को रोक दिया गया। आसपास के गांवों को अलर्ट कर दिया गया। दो घंटे की मशक्कत के बाद गैस रिसाव पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। दो घंटे तक रोका एक्सप्रेसवे हादसा होते ही टैंकर चालक और कार सवार वाहन से उतरकर सुरक्षित स्थान पर चले गए। कार सवार को हल्की चोट आई है ।एहतियातन हाईवे के दोनों ओर यातायात करीब दो घंटे तक रोका गया। स्थिति सामान्य होने के बाद पुलिस ने हाइवे मार्ग को चालू कराया गया। समय रहते राहत और बचाव कार्य शुरू होने से बड़ा हादसा टल गया। सेफ्टी मैनेजर अभिषेक यादव ने बताया- फायर ब्रिगेड की टीम, एनडीआरएफ और मैं भी टीम के साथ मौके पर पहुंचा। 8 से अधिक दमकल गाड़ियां हाईवे पर पहुंच गई। बचावकर्मियों ने तत्काल पानी की बौछार शुरू कर गैस के प्रभाव को कम किया। टैंकर को रवाना कर दिया गया है। कार चालक का इलाज चल रहा है।

एसआरएन अस्पताल की महिला डॉक्टर पर एफआईआर

ऑपरेशन में पेट में स्पंज छोड़ने का आरोप, पेशेंट को दोबारा सर्जरी करानी पड़ी

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, चिकित्सीय लापरवाही के गंभीर मामले में स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल की डॉक्टर पर एफआईआर दर्ज हो गई है। प्रतापगढ़ जिले की रन्नो प्रजापति नाम की महिला ने आरोप लगाया था कि मार्च 2024 में हुए ऑपरेशन में डॉक्टर ने उसके पेट के अंदर कॉटन स्पंज छोड़ दिया था, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई और गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई।

ऑपरेशन के बाद लगातार दर्द, डॉक्टर ने कहा–गैस है

रन्नो प्रजापति का पहला ऑपरेशन 8 मार्च 2024 को हुआ था। वह 15 मार्च तक डॉक्टर के निरीक्षण में अस्पताल में भर्ती रहीं। इस दौरान पेट में लगातार दर्द की शिकायत पर भी डॉक्टर ने इसे गैस की समस्या बताकर

नजरअंदाज कर दिया। 15 मार्च को डॉक्टर के निर्देश पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

27 जुलाई को दोबारा ऑपरेशन, पेट से निकला स्पंज

हालत बिगड़ने पर 27 जुलाई 2024 को श्याम हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर में उनका दोबारा ऑपरेशन किया गया। परिजनों का कहना है कि इस सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने महिला के पेट से बड़ी मात्रा में कॉटन स्पंज निकाला। पूरा ऑपरेशन वीडियो में रिकॉर्ड हुआ, जिसे महिला ने पेन ड्राइव के साथ अदालत में सौंपा था।

गर्भस्थ शिशु की मौत, भारी खर्च और मानसिक पीड़ा

परिवार का आरोप है कि कॉटन स्पंज पेट में रह जाने के कारण गर्भ में ही शिशु की मौत हो गई। महिला की जान भी खतरे में पड़ गई और दोबारा सर्जरी में भारी रकम खर्च करनी पड़ी। महिला ने पहले कोतवाली और फिर पुलिस आयुक्त को शिकायत दी थी। शिकायत पर कार्रवाई न होने पर उन्होंने न्यायालय का रुख किया।

मेरठ के शादी समारोह में युवक ने लहराई पिस्टल

बैकग्राउंड में डायलॉग, सपने में जो नहीं सोचा वो सामान गाड़ी में रखता हूं

अमन लेखनी समाचार

सरधना , सरधना थाना क्षेत्र के कस्बा सरधना में एक शादी समारोह के दौरान युवक ने पिस्टल के साथ वीडियो बनाया। युवक ने यह वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें युवक हाथ में हथियार लेकर घूमता दिखाई दे रहा है। उसने ब्लैक कलर का सूट पहन रखा है। वह शादी समारोह में एंट्री से पहले रूकता है। हाथ में रखे पिस्टल को खोलते हुए दिखाता है। इसके बाद पिस्टल को हवा में घुमाता है। एक ओर जहां प्रशासन शादी समारोहों में हथियारों के प्रदर्शन और हर्ष फायरिंग को लेकर पूरी तरह से सतर्क है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे आयोजनों में हथियार लेकर पहुंच रहे हैं और उनके वीडियो सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। प्रशासन ऐसे मामलों पर लगातार निगरानी रख रहा है

नशे में मिले एसएचओ रेलवे रोड, चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

हंगामे की शिकायत पर पहुंचे थे एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह, डॉक्टरी के दिए आदेश

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , ड्यूटी के दौरान नशे में मिले रल्ड रेलवे रोड धीरज कुमार और केसरगंज चौकी इंचार्ज प्रमोद कुमार पर रात एसएचओ ने गाज गिरा दी। दोनों की डाक्टरी कराई जा रही है। दरअसल, हंगामे की सूचना पर एसपी सिटी स्वयं मौके पर पहुंचे थे, जिनको पुलिसकर्मियों के नशे में होने की शिकायत भी की गई थी। चौकी इंचार्ज को देर रात लाइन हाजिर किया गया। क्योंकि वह डॉक्टरी कराने नहीं पहुंचे। उन्होंने एसएचओ को पूरा मामला बताया, जिसके बाद एसएचओ को तत्काल लाइन हाजिर कर दिया गया। एसएचओ और चौकी इंचार्ज की डाक्टरी कराई जा रही है।

पहले एक नजर डालते हैं विवाद पर

रेलवे रोड के मकबरा में सोमवार रात नौशाद व शमीम पक्ष मकान विवाद में आमने सामने आ गए। पहले उनके बीच मारपीट हुई और फिर अचानक पथराव शुरू हो गया। इसी दौरान पुर्वा फैयाज अली निवासी कामिल वहां से गुजर रहा था। पथराव से एक ईंट कामिल हो जा लगी। कामिल घायल हो गया और शिकायत लेकर केसरगंज चौकी आ गया।

गाड़ी में साथ लेकर पहुंचे चौकी इंचार्ज

कामिल ने बताया कि वह अपने भाई के साथ थे। अचानक पथराव हो गया। शिकायत लेकर पहुंचे

मेरठ यूनिवर्सिटी में मधुमक्खियों का हमला

तपोवन में सुबह टहलने आए थे लोग; कई को काटा, दौड़कर लोग भागे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में सुबह मधुमक्खियां के झुंड ने यहां घूमने आए लोगों पर हमला कर दिया। इससे वहां अफरा तफरी मच गई। लोगों ने भाग कर खुद को बचाया। इस दौरान दो से तीन लोग मधुमक्खियां के हमले में चोटिल भी हो गए। हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

आइए जानते हैं घटना के बारे में

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में तपोवन बना है। हर रोज मॉर्निंग वॉक के लिए निकले लोग यहां आते हैं। आज सुबह भी काफी लोग यहां घूमने आए थे। अचानक मधुमक्खियां के एक झुंड ने खलबली मचा दी। जैसे ही मधुमक्खियों ने यहां टहल रहे लोगों पर हमला किया, वह चिल्लाते हुए खुद को बचाने के लिए दौड़े।

दो से तीन लोगों को

मधुमक्खियों ने काटा

काफी देर तक तपोवन से लेकर सीसीएस यूनिवर्सिटी के परिसर तक खलबली मची रही। इस दौरान कई लोगों को मधुमक्खियों ने डंक मार दिए। मधुमक्खियां के जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई है लेकिन मधुमक्खियां के इस हमले ने दस माह पहले हुई घटना की यादों को ताजा कर दिया है।

एक नजर 10 माह पहले की घटना पर

22 फरवरी को भी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में मधुमक्खियों ने यहां आए लोगों पर हमला किया था।

बागपत में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

पुलिस ने बड़ी घटना को अंजाम देने से पहले पकड़ा

बागपत , बागपत पुलिस ने देर रात चेकिंग अभियान के दौरान 25 हजार रुपये के एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। यह अभियुक्त किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान शामली निवासी मोईन पुत्र मोज्जुदीन के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। मोईन पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस को देर रात सूचना मिली थी कि वह असारा गांव के पास अंडरपास के समीप किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है।

बागपत के बड़गांव टोल प्लाजा पर भाकियू का हंगामा

प्रधान से अभद्रता, स्थानीय वाहनों से अधिक टोल वसूली का आरोप

अमन लेखनी समाचार

बागपत , बागपत जिले के खेकड़ा तहसील अंतर्गत बड़गांव टोल प्लाजा पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कार्यकताओं ने टोल प्लाजा कर्मचारियों पर विनयपुर गांव के प्रधान के साथ अभद्रता करने और स्थानीय वाहनों से निर्धारित सीमा से अधिक टोल वसूलने का आरोप लगाया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में भाकियू कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। कार्यकताओं का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब टोल प्लाजा पर ऐसी घटना हुई हो। उनका आरोप है कि टोल कर्मचारी अक्सर स्थानीय लोगों से दुर्व्यवहार करते हैं और लोकल पास या स्थानीय वाहनों से भी मनमाने ढंग से टोल वसूलते हैं, जिसके कारण कई बार झगड़े और धक्का-मुक्की की स्थिति बन जाती है। इङव कार्यकताओं ने जोर देकर कहा कि ग्रामीण इलाकों के लोग प्रतिदिन इस मार्ग का उपयोग करते हैं और उन्हें नियमों के अनुसार छूट मिलनी चाहिए। इसके बावजूद टोल कर्मचारी जानबूझकर बाधा डालते हैं और बहस करते हैं। प्रधान के साथ हुई कथित अभद्रता ने स्थानीय किसानों में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को

नियंत्रित किया। यूनियन नेताओं ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि टोल प्लाजा पर दुर्व्यवहार और मनमानी वसूली बंद नहीं हुई, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे और टोल प्लाजा का घेराव करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। मौके पर पहुंची तहसीलदार वर्तिका श्रीवास्तव ने मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। टोल प्रबंधन ने भी घटना की जांच कराने और दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई करने की बात कही है। स्थानीय लोगों और किसान यूनियन ने मांग की है कि टोल प्लाजा पर स्पष्ट नियम लागू किए जाएं, ताकि दैनिक झड़पों को रोका जा सके ।और आवागमन सुचारु रूप से चलता रहे।

नोएडा के दोनों एक्सप्रेस वे की बदलेगी स्पीड लिमिट

100 की बजाए 75 की जा सकती है, प्राधिकरण ट्रैफिक विभाग से करेगा बातचीत

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे पर कोहरे के चलते गति सीमा में बदलाव करने की तैयारी है। यहां 15 दिसंबर से नई गति सीमा लागू हो सकती है। हालांकि दोनों प्राधिकरण ने इस मामले में ट्रैफिक विभाग से पत्राचार नहीं किया है। प्राधिकरण ने बताया कि गति सीमा बदलाव के पहले एक्सप्रेस वे पर स्पीड लिमिट के बोर्ड और कई स्थानों पर रिफ्लेक्टर लगाए जाएंगे। जिससे वाहन चालकों को दिक्कत न हो। सर्दियों में कोहरे के कारण सड़कों पर विजिबिलिटी काफी कम हो जाती है। इसके चलते दुर्घटना होने की संभावना होती है। स्पीड लिमिट कम होने से दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। ठंड के कारण

सड़कों पर फिसलन रहने से दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे और नोएडा एक्सप्रेस वे पर गति सीमा कम करने की योजना बनाई है और और इसे 15 दिसंबर से लागू करने पर विचार है।

ये हो सकती है लिमिट

प्रबंधन ने सर्दियों के चलते हल्के वाहनों के लिए गति सीमा 100 किलोमीटर से घटाकर 75 किलोमीटर और भारी वाहनों के लिए 80 से घटाकर 60 किलोमीटर प्रति घंटे करने की तैयारी है। इसी तरह नोएडा एक्सप्रेस वे और नोएडा के जोनल रोड और एलिवेटेड रोड की स्पीड लिमिट को कम किया जाएगा। नई स्पीड लिमिट 15 फरवरी तक लागू रहेगी। हालांकि अंतिम निर्णय मौसम पर निर्भर करेगा।

गाजियाबाद में 10-10 हजार के दो इनामी बदमाश अरेस्ट

गैंग बनाकर चोरी करते थे, गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज था; दोनों फरार चल रहे थे

अमन लेखनी समाचार

लोनी , गाजियाबाद की टीला मोड़ थाना पुलिस ने 10-10 हजार के दो इनामी बदमाशों को अरेस्ट किया है। दोनों आरोपी गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने भोपुरा के सफेद गेट के पास से घेराबंदी कर सद्दाम (32) और नदीम (35) को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी बिजनौर के रहने वाले हैं। दोनों आरोपी गैंग बनाकर चोरी करते थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने टीला मोड़ और इंदिरापुरम क्षेत्र में कई चोरी की घटनाएं की हैं। दोनों के खिलाफ थाना टीला मोड़ में चोरी और गैंगस्टर एक्ट के तहत 2 केस दर्ज हैं, जबकि थाना इंदिरापुरम में चोरी का 1

केस दर्ज है। दोनों के खिलाफ कुल 3 3 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और उनकी गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इनकी गिरफ्तारी से चोरी की कई घटनाओं का खुलासा होने की उम्मीद है।

एबीवीपी का एमएम डिग्री कॉलेज में हंगामा

प्राचार्य के निलंबन की मांग पर धरना, नारेबाजी

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगरः मुलतानीमल मोदी डिग्री कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकताओं ने प्राचार्य के निलंबन की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। कार्यकताओं ने प्राचार्य कार्यालय के बाहर धरना दिया और नारेबाजी की। यह विरोध एबीवीपी के जिला संगठन मंत्री के साथ हुई कथित मारपीट के मामले में प्राचार्य की संलिप्तता के आरोपों को लेकर किया गया। लगभग 15 दिन पहले एबीवीपी के जिला संगठन मंत्री चिरायु शर्मा के साथ मुलतानीमल मोदी डिग्री कॉलेज में मारपीट हुई थी। एबीवीपी का आरोप है कि यह घटना प्राचार्य के इशारे पर अंजाम दी गई थी। इस मामले में प्राचार्य सहित अन्य लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। एबीवीपी पदाधिकारियों ने प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्राचार्य ने आपराधिक प्रवृत्ति के छात्रों को कॉलेज में दाखिला दिया है, जिससे कॉलेज का माहौल खराब हो रहा है। इसके अतिरिक्त, कॉलेज में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती में भी धांधली का आरोप लगाया गया है। इन्हीं आरोपों के चलते एबीवीपी प्राचार्य के निलंबन की मांग पर अड़ी हुई है। सुबह करीब 11 बजे एबीवीपी कार्यकर्ता कॉलेज पहुंचे और प्राचार्य तथा डॉ. केएन मोदी फाउंडेशन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन के दौरान एक कुर्सी पर ₹भ्रष्टाचार प्राचार्य लापता₹ लिखकर अपना विरोध दर्ज कराया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को शांत करने का प्रयास किया,

लेकिन वे अपनी मांग पर कायम रहे। एबीवीपी पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर देंगे।

ऑपरेशान सागर बंधु के बाद एनडीआरएफ श्रीलंका से गाजियाबाद लौटी

एनडीआरएफ के डीजी पीयूष आनंद आज टीम से मिलेंगे

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , ऑपरेशन सागर बंधु में एनडीआरएफ गाजियाबाद ने मानवता मिशन के तहत 150 से ज्यादा लोगों को बचाया है। इनमें गर्भवती महिला भी सुरक्षित निकाला है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने श्रीलंका में आए विनाशकारी चक्रवात दितवाह से प्रभावित इलाकों में 150 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला है। कई क्षेत्रों में भूस्खलन और बाढ़ की गंभीर स्थिति बनी हुई है। यह टीम यूपी के गाजियाबाद लौट आई है। आज एनडीआरएफ के डीजी पीयूष आनंद गाजियाबाद पहुंच गए हैं, जो टीम के जवानों और अधिकारियों से मिलेंगे।

गाजियाबाद से श्रीलंका भेजी गई एनडीआरएफ

भारत सरकार ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत 80 सदस्यों और चार खोजी कुत्तों की दो टीमें श्रीलंका भेजीं क इन टीमों को आपदा ग्रस्त इलाकों कडुवेला, बदुल्ला और पुट्टलम में तैनात किया गया है जहां पर यह बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है जिसमें इन्होंने अब तक 70 लोगों को बचाया गया है, 80 से ज्यादा को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है इसके साथ ही पशुधन को भी सुरक्षित बाहर निकाल रहे है। श्रीलंकाई सुरक्षा बलों और प्रशासन की मदद से एनडीआरएफ की टीमें जरूरत मंद लोगों तक राहत सामग्री व भोजन के पैकेट भी वितरित करन के साथ लापता नागरिकों को खोजा। जिसमें कई शव भी मलबे से निकाले।

कमांडेंट प्रवीन तिवारी ने किया नेतृत्व

टीम ने पुट्टलम से 9 महीने की गर्भवती महिला को भी सफलतापूर्वक बचाया। 8 वीं वाहिनी एनडीआरएफ गाजियाबाद के कमांडेंट प्रवीन तिवारी के नेतृत्व वाली 80-सदस्यीय टीम में चार महिला बचावकर्मी भी शामिल रहे। जिन्हें स्थानीय महिलाओं की सहायता की विशेष जिम्मेदारी दी गई थी। एनडीआरएफ गाजियाबाद से अब तक लगभग 24 टन राहत सामग्री श्रीलंका के लिए भेजी गयी।

टी आई की संदिग्ध कार्यशैली से ओवरलोड ट्रैकों को राहत: टैंपो चालकों का चलान

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। शाहाबाद खंड शाहजहांपुर रोड पर इन दिनों ट्रेफिक व्यवस्था से ज्यादा चचर्चा टीएसआई की कथित रिश्वतखोरी की हो रही है। स्थानीय टैम्पो चालकों का आरोप है कि सुविधा शुल्क तय करने के बाद ही उन्हें बिना रोकाटोक चलने दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जो टैम्पो चालक बिचौलियों के माध्यम से तय रकम नहीं देते, सिर्फ उनके ही हजारों रुपये के चालान काटकर दबाव बनाया जा रहा है जबकि जो दे गुपचुप टीएसआई के बताए स्थान पर दे रहे हैं उन्हें बेरोक टोक चलने की छूट है। सैकड़ों की वसूली, हजारों का चालान टीएसआई की कार्यशैली पर उठ रहे है सवाल। टैम्पो चालकों का दबी जुबान से कहना है कि टीएसआई की ओर से बंधी वसूली का पूरा खेल बिचौलियों के माध्यम से चल रहा है, हालांकि उनके कई विश्वासनीय टैम्पो चालक उनसे चोरी छुपे मिलकर सीधे भी तयशुदा सुविधाशुल्क दे रहे हैं। इस तय रकम की वसूली में शाहजहांपुर के कुछ बिचौलिए खास सक्रिय बताए जा रहे हैं जो यूपी 27 नंबर के टैम्पो चालकों से मासिक वसूली करा चुके हैं। इसी कारण यूपी 27 वाले वाहनों पर कार्रवाई लगभग बंद है जबकि यूपी 30 नंबर के शाहाबाद क्षेत्र के टैम्पो चालकों पर इन दिनों चालान की कार्रवाई अचानक तेज हो गई है। स्थानीय चालकों का आरोप है कि यह सबकुछ सुविधा शुल्क लेने का दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है ताकि हर चालक मासिक वसूली की 'लाइन' में आ जाए। निशाने पर सवाल यह भी तेजी से उठ रहे हैं कि जहां डग्गामार टैम्पो चालकों पर चालान की बौछार है, वहीं ओवरलोड, ओवरहाइट ट्रक और डबलडेकर बसें बेखौफ दौड़ रही हैं। इनसे होने वाली कथित 'बांधी गई वसूली' क्षेत्र में पहले से ही बहुचर्चित है, तभी इन वाहनों पर कार्रवाई नगण्य बताई जा रही है। कुल मिलाकर चालकों का साफ कहना है कि जिसने सुविधा शुल्क दे दिया उसका वाहन सुरक्षित, जिसने नहीं दिया उसका भारी चालान। ओवरलोड ट्रकों पर खामोशी तो टैम्पो चालकों पर सख्ती क्यों। लोग सीधी सी बात बोल रहे है कि ओवरलोड एवं ओबसाइट ट्रकों और डबलडेकर बसों को मनमाने ढंग से जब चलने को छूट है तो टैम्पो चालकों पर इतनी सखूती क्यों जबकि ट्रैफिक पुलिस महीनों से टीएसआई की हमराही में हरदोई-शाहजहांपुर बार्डर पर सिरदारनगर गाँव में रोजाना चेकिंग कर रही है। ट्रेफिक पुलिस के प्रति ग्रामीणों का गुस्सा फूटा। आर्डर के इधर-उधर रहने बाले ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें कहीं भी जाने में काफी दुश्वारियों का सामाना करना पड़ रहा है क्योंकि टीएसआई सहित ट्रेफिक पुलिस किसी भी वाइक को रोककर परेशान कर रही है। उधर से क्यों न कोई अपनी बाइक से मरीज ही लेकर इमरजेंसी में अस्पताल जा रहा हो लेकिन उन्हें उसकी कोई बात नहीं सुननी आरोप है कि इमरजेंसी में बाइक पर सवार हैं और उससे अभद्रता किए बिना नहीं मानते, यहाँ तक कि जेल भेजने की धमकी देना उनके लिए आम बात है। बार्डर के इधर गाँव सिरदारनगर, आगापुर, तुरहा, गढ़ेपुर, नसीरपुर, उधरनपुर और बार्डर पार पड़ोसी जनपद के शाहजहांपुर के गाँव महमदपुर, सूरतपुर, चंदगोई के लोगों ने बताया कि वे कहीं भी ट्रैफिक पुलिस की अवैधर अवैध वसूली और महिलाओं से अभद्रता की बात न केवल मौखिक रूप से बता सकते हैं बल्कि बक्त जरुरत लिखित शिकायत भी करने के लिए तैयार है, महमदपुर गाँव के एक व्यक्ति ने बताया कि उसे एक दिन टीएसआई की भाषा शैली पर बहुत जोर का गुस्सा आया लेकिन वह बर्दी की दहशत में मौके पर कुछ नहीं बोला, वैसे भी उसे इमरजेंसी काम से मेडिकल स्टोर से दबा लाने के बाद वापस गाँव जाकर अन्य जरूरी काम भी करने थे, इसलिए वह उस दिन एप्लिकेशन नहीं दिया। बाद में उसे लोगों ने समझाया कि पुलिस से उलझना ठीक नहीं और फिर इस सरकार में सारी शिकायतें गुलर पोर्टल पर अपलोड कर फर्जी निस्तारित कर दी जाती है। उसने कहा कि वह वैसे भी वार्डर पार का निवासी है इसलिए और भी मन मसोसकर चुपचाप बैठ गया, लेकिन कोई अधिकारी टीएसआई के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही का वादा करे तो वह अब भी खुलकर लिखने बोलने के लिए तैयार है। फिलहाल ट्रेफिक पुलिस की ऐसी कार्यप्रणाली के कारण गर्माए माहौल के बीच बहुत से लोग और डग्गामार चालकों के अलावा अन्य कई वाहन चालक आमतौर पर सरकार में व्याप्त भ्राप्हचार पर भड़ास निकाल रहे हैं बल्कि बिशेषकर टीएसआई की तानाशाही पर अंकुश लगाने की मांग कर रहे हैं। 10 दिसंबर को मामले पर स्पष्टीकरण लेने के लिए ट्रैफिक सीओ का मोबाइल नंबर मिलाया गया, लेकिन फोन कवरेज क्षेत्र से बाहर बताता रहा। इसके अलावा टीएसआई राजेश सिंह का नंबर स्थानीय कोतवाली से पूछकर लगाया गया, पर वह स्विच ऑफ बोल रहा था।

न्यायालय के पुनः आदेश पर पहुंची टीम ने की नाप जोख

वादी प्रतिवादी की मौजूदगी में अधिवक्ताओं समेत शासन प्रशासन ने कराई पैमाइश

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत खजुहा कस्बे में न्यायालय के आदेश पर एक मकान की शासन प्रशासन तथा अधिवक्ताओं ने पैमाइश नाप जोख की मिली जानकारी के अनुसार काफी दिनों से विवादित मकान को लेकर वादी सैकू पुत्र स्वर्गीय रमजान ने न्यायालय का सहारा लिया था जहां मकान के बंटवारे में सैकू मैकू तथा फारूक पुत्रगण स्वर्गीय रमजान की हिस्सेदारी वादी सैकू ने बताई पूर्व काल में पहुंची शासन प्रशासन अधिवक्ताओं की टीम की जानकारी मिलते ही मकान में कब्जा करने वाली भाई स्वर्गीय मैकू की विधवा पत्नी मंजीतुन निशा उर्फ बुद्दन ताला लगाकर फरार हो गई तथा टीम को खाली हाथ वापस होना पड़ा वही सीनियर डिवीजन न्यायाधीश संदीप कुमार के आदेश पर कल पुनः कमिश्नर अमीन समेत अधिवक्ता तथा पुलिस प्रशासन दल मौके पर पहुंचा मौके पर मिली मकान में कब्जा धारक महिला मंजीतुन निशा ने अन्य हिस्सेदार फारूक पुत्र स्वर्गीय रमजान को नाप जोख में बुलाने के लिए कहा जहां मौके पर मौजूद उपनिरीक्षक जयलाल ने फोन करके फारूक को बुलाया परंतु लाख बुलाने के बाद प्रतिवादी फारूक मौके पर नहीं पहुंचा मौके पर ना पहुंचने पर प्रतिवादी महिला मंजीतुन निशा ने नाप जोख की सहमति जताई तथा टीम में पहुंचे अमीन कृष्ण कुमार यादव अर्दली आशीष पाण्डेय ने वादी सैकू प्रतिवादी मंजीतुन निशा की मौजूदगी में पूरे मकान की पैमाइश करते हुए विधिवत नाप जोख की इस मौके पर पूरी नाप जोख की देखभाल वरिष्ठ अधिवक्ता सुशील कुमार श्रीवास्तव महिला अधिवक्ता शईदा समेत अन्य अधिवक्ताओं की टीम द्वारा की गई वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बिंदकी थाना कोतवाली उप निरीक्षक जयलाल आरक्षी त्रिवेंद्र महिला आरक्षी प्रतिमा अग्निहोत्री तथा वादी सैकू की पत्नी अजमेरुन निंशा समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहो

जनसुनवाई में लापरवाही: एस पी हरदोई ने दारोगा को किया निलंबित

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने जनसुनवाई के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए टड़ियावां थाने में तैनात दारोगा राजू प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दारोगा राजू प्रसाद पर जनसुनवाई अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों में लापरवाही और शिथिलता बरतने का आरोप था। एसपी मीणा ने जनसुनवाई में बरती गई इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए, दरोगा को निलंबित करने के साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं। एसपी अशोक कुमार मीणा ने जिले के सभी पुलिसकर्मियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे अपने कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता या ढिलाई न बरतें। उन्होंने चेतावनी दी है कि ऐसा करने वाले किसी भी पुलिसकर्मी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय के आदेश छः पर हरपालपुर पुलिस ने लूटपाट तोड़फोड़ व मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

कोतवाली से लेकर एसपी तक लगाई फरियाद नहीं लिखी गई रिपोर्ट लेनी पड़ी न्यायालय की शरण

अमन लेखनी समाचार

हरपालपुर। कोतवाली क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव निवासी अनिल कुमार 40 वर्ष पुत्र सुखलाल ने गांव के 6 लोगों पर दरवाजा रखने के विवाद में लूटपाट, तोड़फोड़ व मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि 31 अक्टूबर 2025 को सुबह करीब सात बजे गांव के ही राकेश, किशपाल सूरज, पिंटू, रामनिवास व दिनेश एक राय होकर उसकी भूमि पर दरवाजा रखने के लिए लाठी डंडा लेकर आए। उसके मना करने पर गाली गलौज करते हुए उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिससे सिर व शरीर पर गंभीर चोटे आने से वहलहुलहान होकर गिर गया। उसे बचाने आए उसके परिवार के ही ईश्वर पाल, रामलड़ैते व चंद्रपाल को भी लाठी डंडों व लात घूंसो से मारा पीटा। आरोपी तोड़फोड़ करते हुए घर में रखे बक्सा तोड़कर धान बिक्री का रखा 30हजार रुपये लूटकर जानमाल की धमकी देते हुए फरार हो गए।

गुरु गोरखनाथ कॉलेज में जिला प्रचारक अनिल का छात्र संवाद: 'पंच परिवर्तन' पर मार्गदर्शन

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। गुरु गोरखनाथ बालिका इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक अनिल जी ने विद्यार्थियों के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने 'पंच परिवर्तन' विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया, जिसमें व्यक्तिगत, सामाजिक, और राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता को सरल भाषा में समझाया।इस प्रेरक सत्र के दौरान, छात्राओं ने उत्साह के साथ विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे, जिनका जिला प्रचारक अनिल जी ने धैर्यपूर्वक समाधान किया। कार्यक्रम में संघ के स्वयंसेवक और भारत विकास परिषद के प्रांत पदाधिकारी गौरव भदौरिया, प्रिंसिपल मोहिनी मिश्रा, पंकज त्रिपाठी, और अश्वनी कुमार भी उपस्थित रहे।

मरीजों के लिए सफेद हाथी बना भैसौली अस्पताल

लाख शिकायतों के बाद भी विभाग की नहीं पड़ती कभी नजर

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के ढीले रवैया के कारण विभागीय चिकित्सक कर्मचारी वर्षों से गहरी नींद पर सोए हुए हैं ताजा मामला जनपद के देवमई विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भैसौली में स्थापित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का जहां वर्षों से चिकित्सकों की मनमानी आज भी चली आ रही है विगत लगभग 5 वर्षों से मरीजों की लाख शिकायतों तथा समाचार पत्रों पर सुर्खियों में रहने वाले इस अस्पताल में सुधार दिखना संभव नहीं है कल गुरुवार मरीजों की शिकायत पर पुनः मीडिया टीम अस्पताल पहुंची जहां अस्पताल में ताला बंद मिला मौके पर मौजूद लैब टेक्नीशियन पंकज कुमार शुक्ला ताला बंद होने के कारण अस्पताल के बाहर ताला खुलने का इंतजार करते मिले वही अस्पताल में कार्यरत लगभग आधा दर्जन से अधिक चिकित्सक फार्मासिस्ट समेत सभी विभागीय कर्मचारी नदारत पाए गए स्थानीय मरीजों ने बताया यह हाल पिछले एक दशक से चला आ रहा है जनपद के सरहद में स्थापित होने के कारण इस अस्पताल में कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं रहता वास्तव में विगत कई वर्षों से समाचार पत्रों की सुर्खियों में भी इस अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की दुर्दशा देखने को मिलती आ रही है परंतु जनपद के किसी भी उच्च अधिकारी ने अभी तक कार्यरत कर्मचारियों के ऊपर शिकंजा कसना उचित नहीं समझा वहीं अस्पताल में कार्यरत कई फार्मासिस्ट तथा कर्मचारियों को सफेद पोस नेताओं की अच्छी मदद मिल रही है जिसके कारण अधिकारी भी अपनी चुप्पी साधे बैठा है स्थानीय तथा क्षेत्र के मरीजों ने बताया कि इस अस्पताल में कर्मचारियों की नियुक्ति शायद उच्च अधिकारियों की जेब गर्म करके होती है इसी कारण उच्च अधिकारी ऐसे अस्पतालों पर नजर डालना कभी उचित नहीं समझते जबकि अमन लेखनी हिंदी दैनिक समाचार पत्र इसकी पुष्टि नहीं करता है देखना यह है कि ऐसे पतन की ओर जाने वाले अस्पताल पर जनपद के उच्च अधिकारी कब अपनी नजर डालेंगे वही मीडिया ने जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से फोन करते हुए जानकारी लेनी चाही जहां किसी कारण बस फोन संपर्क नहीं हो पाया

बैंक मैनेजर पर गंभीर आरोप: युवक को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, घर में घुसकर अभद्रता, पीड़ित ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

अमन लेखनी समाचार

पाली, हरदोई। पाली कस्बे में आर्यावर्त बैंक की शाखा के मैनेजर पर युवक से मारपीट और पीड़ित के घर में घुसकर अभद्रता करने के गंभीर आरोप लगे हैं। कार्रवाई न होने पर पीड़ित पक्ष ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक हरदोई से शिकायत कर दोषियों पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है।मोहल्ला बिरहाना निवासी शिवकांत वाजपेई ने एसपी को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि बुधवार दोपहर उनका बेटा ऋषभ अपने भाई राजन के साथ वित्तीय कार्य के लिए आर्यावर्त बैंक गया था। आरोप है कि बैंक मैनेजर रवि अवस्थी ने नशे में दोनों भाइयों को गाली-गलौज की। विवाद बढ़ने पर राजन घर लौट आया जबकि ऋषभ बैंक से बाहर निकलकर बाजार की ओर चला गया। शिवकांत का आरोप है कि कुछ ही देर बाद मैनेजर रवि अवस्थी अपने तीन साथियों के साथ बाजार पहुंचे और ऋषभ को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पीड़ित परिवार का दावा है कि मारपीट की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है और फुटेज उनके पास सुरक्षित हैं। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के बाद मैनेजर अपने बुलाए हुए लोगों के साथ उनके घर में घुस आया और महिलाओं से अभद्रता की। पीड़ित ने घटना की तहरीर थाने में दी, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय ऋषभ को ही थाने में बंद कर दिया और गुरुवार को उसका शांति भंग में चालान कर दिया। शिवकांत वाजपेई ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एसपी से निष्पक्ष जांच कर बैंक मैनेजर व साथियों पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। वहीं सामने आए सीसीटीवी फुटेज में कुछ लोग ऋषभ वाजपेई को दौड़ाते और उसके घर के दरवाजे पर मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित पक्ष का कहना है कि यह फुटेज उनकी शिकायत को सही साबित करता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रार्थना पत्र मिला है और जांच की जा रही है, जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

एसपी अशोक कुमार मीणा ने हुसेपुर में लगाई 'रात्रि चौपाल', सुरक्षा और जागरूकता पर दिया जोर

अमन लेखनी समाचार

हरदोई के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने शाहबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हुसेपुर में ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों और ग्रामीणों के साथ एक रात्रि चौपाल का आयोजन किया।एसपी ने ग्रामीणों को कई महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया, जिनमें सड़क सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति अभियान, और बढ़ते हुए साइबर अपराधों से बचाव शामिल थे। उन्होंने गाँव में बेहतर सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाने और उचित प्रकाश व्यवस्था रखने के फायदों पर भी जोर दिया।आगामी प्रधानी चुनावों को देखते हुए, एसपी मीणा ने ग्रामीणों से अपराधियों पर कड़ी नजर रखने और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में, उन्होंने ग्राम प्रहरियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें कम्बल और टॉर्च भी वितरित किए। इस दौरान सहायक पुलिस अधीक्षक सर्किल शाहाबाद और थाना प्रभारी शाहाबाद भी उपस्थित रहे।

मिश्रिख सांसद अशोक रावत का अर्कवंशी समाज करेगा विरोध:ओ पी सिंह

सांसद द्वारा दिए गए वक्तव्य को सदन की कार्यवाही से हटाया जाए: सुनील अर्कवंशी

अमन लेखनी समाचार

हरदोई।₹ संसदीय लोकसभा क्षेत्र मिश्रिख सांसद अशोक रावत द्वारा सदन में महाराजा सल्लीह सिंह अर्कवंशी के बारे में दिए गए निराधार वक्तव्य को लेकर जब तक सांसद द्वारा सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना नहीं मांग ली जाती है तब तक अर्कवंशी समाज सांसद अशोक रावत का विरोध करेगी₹ उक्त वक्तव्य अखिल भारतीय अर्कवंशी क्षत्रिय महासंघ/ ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओ पी सिंह अर्कवंशी ने आहूत प्रेस वार्ता में व्यक्त किए। एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में हरदोई मिश्रिख सांसद अशोक रावत द्वारा सदन में अर्कवंशी क्षत्रिय महाराज सल्लीह सिंह अर्कवंशी एवं महाराज मल्हीय सिंह अर्कवंशी, चक्रवर्ती सम्राट महाराजा सुहेलदेव राजभर के प्रति दिए गए वक्तव्य पर कड़ा विरोध जताया, इन महान एवं आराध्य ऐतिहासिक महापुरुषों के विरुद्ध सदन पटल पर पासी जाति के नाम से बताया जाना अत्यंत दुर्भाग्य एवं अज्ञानता दशार्ता है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील सिंह रघुवंशी ने कहा कि संसद द्वारा उक्त जानबूझकर दिया गया है यह वक्तव्य न केवल अर्कवंशी क्षत्रिय समाज की भावनाओं को आहत करता है बल्कि भारत के गौरवशाली इतिहास और सामाजिक समरसता पर भी चोट पहुंचाता है।

उन्होंने कहा कि महासंघ संसद के उक्त वक्तव्य को सदन की कार्यवाही से हटाए जाने की मांग करता है और अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा भविष्य में किसी सांसद अथवा व्यक्ति द्वारा राष्ट्र के ऐतिहासिक महापुरुषों के चरित्र पर या समुदाय की आराध्य व्यक्तियों के विरुद्ध अनादर पूर्ण एवं तथ्यविहीन वक्तव्य रोकने हेतु स्पष्ट दिशा निर्देश जारी करने और सांसद से समाज एवं राष्ट्र की भावना का सम्मान करते हुए सार्वजनिक क्षमा याचना कराए जाने की मांग सरकार से करेगा। उन्होंने कहा, जब तक सांसद द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांग नहीं ली जाती है तब तक अर्कवंशी समाज, सांसद अशोक रावत का विरोध करेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ठाकुर प्रसाद अर्कवंशी राष्ट्रीय अध्यक्ष लोक संघर्ष पार्टी, सुनील अर्कवंशी राष्ट्रीय प्रवक्ता सुभाषपा, भानु सिंह अर्कवंशी राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराजा सल्लीह सिंह अर्कवंशी समिति,ओम प्रकाश अर्कवंशी, यदु नाथ सिंह अर्कवंशी, सतीश कुमार शास्त्री, श्रीकांत सिंह, रामनरेश आर्य, राजीव सिंह, मनोज अर्कवंशी, राम मूर्ति, नानक सिंह अर्कवंशी, आनंद कुमार अर्कवंशी, राजीव सिंह अर्कवंशी ,संजय अर्कवंशी ,गोविंद सिंह अर्कवंशी, सौरभ सिंह अर्कवंशी, एडवोकेट संतोष सिंह ,विजेंद्र अर्कवंशी, शिव भगवान, रघुनायक अर्कवंशी समेत कई अर्कवंशी समाज के लोग उपस्थित रहे।

बक्सा चोरी के बाद रंगदारी वसूलना पड़ा भारी

बक्सा समेत शातिर चोर हुआ गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

बिदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी कोतवाली पुलिस ने दिनदहाड़े बक्सा चोरी करने वाले आरोपी रिजवान पुत्र सईद निवासी मोहल्ला मुगलाही फाटक बाजार कस्बा बिंदकी जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से चोरी किया हुआ बक्सा बरामद हुआ। जिसमें बक्सा मलिक के आधार कार्ड पैन कार्ड सहित तमाम जरूरी कागजात थे। पुलिस ने कल गुरुवार को दिन में लगभग 3 बजे कानूनी कार्रवाई कर आरोपी रिजवान को न्यायालय भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार 3 दिन पहले बिंदकी कस्बे के कुंवरपुर रोड में एक कोल्ड स्टोर के सामने सड़क किनारे अपने प्रतिष्ठान में दिन में बुजुर्ग केशव प्रसाद गुप्ता बैठे अखबार पढ़ रहे थे।सभी आरोपी बगल के रास्ते से प्रतिष्ठान के अंदर घुसा और बक्सा उठा ले गया। खुशकिस्मती रही कि बक्सा में कोई नगद या कीमती सामान नहीं था।केशव प्रसाद गुप्ता ने बताया कि आरोपी रिजवान ने उनके मोबाइल में फोन किया की बताए हुए निर्धारित स्थान में कुछ पैसा दे जाओ और अपना बक्सा ले जाओ। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। केशव प्रसाद गुप्ता आरोपी द्वारा बताए गए स्थान पर गए। आरोपी ने समझा कि वहां पर रुपया रख दिया गया है। थोड़ी देर बाद आरोपी मौके पर पहुंचा तो वहां पर पहले से थोड़ा दूर आसपास मौजूद पुलिस ने उसे दबोच लिया। उसकी निशानदेही पर बक्सा भी बरामद किया। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करके न्यायालय भेज दिया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विजय प्रकाश तिवारी उपनिरीक्षक राज नारायण नायक मुख्य आरक्षी मुकेश चंद्र तथा आरक्षी उमेश कुमार रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की मासिक बैठक संपन्न, संगठन की एकता और मजबूती पर जोर

अमन लेखनी समाचार

गरौठा।ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन नगर इकाई गरौठा की मासिक बैठक बुधवार को जिला सचिव हेमंत यादव के कचीर स्थित कृषि फार्म हाउस पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने की। बैठक में संगठन की एकता, मजबूती और पारदर्शिता पर विस्तार से चर्चा की गई। तहसील अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने कहा कि संगठन सभी सदस्यों के लिए सर्वोपरि है और प्रत्येक सदस्य को पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने तहसील कार्यकारिणी की जल्द घोषणा किए जाने की बात भी कही। बैठक में संरक्षक शशिकांत तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, देवेंद्र गौतम, राजकुमार मिश्रा, सुनील तिवारी, नगर अध्यक्ष आनंद मोहन पाठक, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र यादव, राजीव परमार सहित अनेक सदस्यों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव हेमंत यादव ने किया तथा अंत में नगर अध्यक्ष आनंद मोहन पाठक ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कल्लू वर्मा, विपिन कुमार, विनीत सोनी, विवेक अग्रवाल, कपिल शर्मा, शिवा रावत,पिंटू मिश्रा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को मारी पीछे से टक्कर हेलमेट से बची जान

बाइक सवार गंभीर रूप से हुआ घायल जिला मेडिकल कॉलेज रेफर

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद /हरदोई ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को पीछे से मारी जोर दार टक्कर बाइक सवार पिता पुत्र हुए गंभीर रूप से घायल राहगीरों की सूचना पर पहुंची शाहबाद पुलिस ने एंबुलेंस से घायल बाइक सवारो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद भेजा जहां से हालत चिंताजनक होने पर बाइक सवार को जिला मेडिकल कॉलेज को रेफर कर दिया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार सौरभ कुमार पुत्र अहिवरन लाल निवासी बहेड़ा थाना मंजिला शाहाबाद से वापस अपने घर जा रहे थे वही मिलन ढाबा के पहले खट्टा मोड पर पीछे से आ रहा ट्रैक्टर चालक अभिषेक अवस्थी पुत्र शिव शर्मा अवस्थी निवासी खेरिया थाना बेहटा गोकुल जो शराब के नशे में था लापरवाही और तेज रफ्तार से ट्रैक्टर चला रहा था लोगों ने बताया की ट्रैक्टर की स्पीड इतनी तेज थी की बाइक में पीछे से टक्कर मारी और बाइक सवार पिता पुत्र घायल हो गए और ट्रैक्टर डिवाइडर को के ऊपर से निकल कर दाहिने तरफ जाकर रोड के किनारे लगी ईंटों से जा टकराया जिससे एक इको बैन भी बाल बाल बची जिससे बड़ा हादसा होने की संभावना थी पुलिस में ट्रैक्टर और ट्रैक्टर चालक को थाने लेकर चली गई बाइक सवार सौरव की हालत को देखते हुए उनको जिला मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया और उनके पिता के हल्की चोट होने के कारण उनको दवाई दे दी गई

तमंचा कारतूस समेत अभियुक्त को प्रशासन ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार / अभिषेक तिवारी

बकेवर, फतेहपुर।जनपद के पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देशन पर बकेवर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थानीय प्रशासन द्वारा एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया वांछित वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बकेवर थाना उपरीक्षक संजय सिंह के साथ आरक्षी शशि शेखर राय संदीप चौधरी पीआरडी वीरेंद्र छोटेलाल आदि की टीम ने 20 वर्षीय अभियुक्त इसरार खान पुत्र छोट्टन निवासी कश्मीरीपुर थाना बकेवर को गिरफ्तार किया तलाशी लेने पर अभियुक्त के पास 315 बोर देसी तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुई बरामदगी के आधार पर पुलिस प्रशासन में अग्रिम कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को न्यायालय भेजदियो

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

इन उपायों से कंट्रोल रहेगी थायरॉइड की प्रॉब्लम

अस्त-व्यस्त जीवनशैली और खान-पान से आजकल अनेक लोग थायरॉइड संबंधी समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपनी जीवनशैली सुधारने के साथ आयुर्वेदिक उपचार करवाएं तो आपको काफी राहत मिल सकती है। इस बारे में जानिए।

रोगोपचार

संध्या रानी

हालांकि थायरॉइड ग्रंथि की कम या अधिक सक्रियता कोई गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन इससे निकलने वाले हार्मोन कई शारीरिक क्रियाओं को संतुलित रखते हैं। जब हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं, तो कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होती है। थायरॉइड गले में मौजूद तितली के आकार की एक ग्रंथी होती है, जो जरूरी हार्मोन बनाती है। इसके असंतुलन होने से ही यह समस्या पैदा होती है। आजकल थायरॉइड संबंधी समस्या तेजी से बढ़ रही है। हर दूसरे-तीसरे घर में कोई न कोई इसका रोगी मिल जाता है। खास बात यह है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं इससे ज्यादा प्रभावित होती हैं, क्योंकि महिलाओं के शरीर में कई अन्य हार्मोन उनके पीरियड्स, गर्भावस्था संबंधी प्रक्रियाओं को कंट्रोल करते हैं।

दो प्रकार की समस्याः थायरॉइड की समस्या दो तरह की होती है। एक हाइपरथायरॉइडिज्म और दूसरा हाइपोथायरॉइडिज्म। दोनों ही स्थितियों में शरीर का हार्मोन स्तर प्रभावित होता है।

हाइपरथायरॉइडिज्मः इसमें सबसे पहले रोगी का वजन कम होने लगता है, घबराहट बढती है, चिड़चिड़ापन होता है, दिल की धड़कन तेज हो जाती है, पसीना अधिक आता है, गर्मी ज्यादा लगती है, हाथ-पैर कांपने लगता है, नींद कम होने लगती है। जब इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगे तब जांच जरूर कराना चाहिए।

हाइपोथायरॉइडिज्मः इसमें लगातार थकान रहती है, वजन बढ़ने लगता है, दिल की धड़कन धीमी हो जाती है, ठंड ज्यादा लगती है और कभी-कभी मूड भी स्विंग करता है। इसके अलावा बालों का झड़ना, त्वचा का रूखा होना, डिप्रेशन होना आदि लक्षण दिखाई दें, तो ऐसी स्थिति में डॉक्टर से जरूर कंसल्ट करें।

आयुर्वेद उपचार में यह देखा जाता है कि रोगी की उम्र क्या है? यह बीमारी कितने साल से है? वह नौकरी किस तरह की करते हैं? इनकी जीवनशैली कैसी? इनका पेट साफ रहता है या नहीं, तनाव में तो नहीं रहते हैं? इनके आधार पर रोगी की जांच की जाती है।

क्या खाएं-क्या न खाएंः इस समस्या से राहत पाने के लिए यह जानना बेहद आवश्यक है कि भोजन में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं? थायरॉइड संबंधी रोग में मेटाबॉलिज्म कमजोर हो जाता है, इसलिए वही चीजें खानी चाहिए, जो आसानी से पच जाएं। खाने में गेंहू की रोटी की जगह जौ की रोटी खाएं। इससे पेट भी हल्का रहेगा और यह आसानी से पच भी जाता है। सफेद चावल की जगह भूरे चावल खाएं। टोफू और सोयाबीन न खाएं। इसके साथ ही पनीर, चीज, मोयोनेज से दूरी रखें। जहां तक हो सके तला, भुना खाने से परहेज करें। भोजन के लिए समय जरूर निश्चित करें और हमेशा समय पर ही भोजन कर लें। भोजन हमेशा हल्का लें। इसके अलावा अपनी दिनचर्या को नियंत्रित रखें। रात में 10 बजे तक सोने की आदत डालें।

योग को अपनाएंः अपनी दिनचर्या में योग को जरूर जगह दें, ताकि शरीर के साथ आपका मन भी स्वस्थ रहे, क्योंकि मन और शरीर एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। अगर आपका मन मजबूत है, तो आप किसी भी बीमारी से आसानी से उबर सकते हैं। जीवन में चाहे जितनी भी व्यस्तता हो, पर अपने लिए दस मिनट का समय निकालना मुश्किल नहीं होना चाहिए। थायरॉइड में उज्जयी, भस्त्रिका, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम बहुत

मदद करते हैं। इसके अलावा हलासन भी करें। अपने को स्वस्थ रखने के लिए जीवन में कुछ संयम और नियम रखना बेहद जरूरी होता है।

मौसमी फल-सब्जियां खाएंः हमेशा मौसम के अनुसार ही पके फल और पकी सब्जियां खाएं। कच्ची सब्जियां और सलाद पाचन पर अधिक जोर डालते हैं, इसलिए इन्हें खाने से जहां तक हो सके बचें। दही की जगह छाछ का प्रयोग करें। इसके अलावा घी को अपने भोजन में जरूर शामिल करें, क्योंकि इसमें कई विटामिन होते हैं और यह आसानी से पच भी जाता है। इसके साथ ही सौंफ, पिपली और काली मिर्च को बराबर मात्रा में मिलाकर पीस लें और थोड़ी मात्रा में लेते रहें, यह पाचन के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। *

(आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. अमृता शर्मा से बातचीत पर आधारित)

पंचकर्मा उपचार

इसे मानस प्रकृति परीक्षण भी कहा जाता है। सात प्रकार की प्रकृति होती है। आयुर्वेद में यह एक डिटॉक्स थेरेपी है। इस उपचार के द्वारा शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल कर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जाता है। जब मौसम बदलता है तब यह क्रिया की जाती है। यह उपचार कोई भी करवा सकता है।

बरकरार है वायु प्रदूषण का संकट कारगर उपायों से मिलेगी राहत

जाड़े के मौसम में देश के अनेक शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। एक्यूआई इतना खराब हो जाता है कि सांस लेने में परेशानी होने लगती है। ऐसे में केवल बच्चे, बूढ़े और बीमार लोगों को ही नहीं स्वस्थ लोगों को भी कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी है। यहां बताए जा रहे उपायों को अपनाकर आप वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से काफी हद तक बचे रह सकते हैं।

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

दमघोंटू हवा, इन दिनों देशभर के कई राज्यों में स्वास्थ्य से जुड़ा बड़ा संकट बनी हुई है। प्रदूषण की मार बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी झेल रहे हैं। सेहत से जुड़ा हर पहलू हवा की गुणवत्ता से प्रभावित होता है। तकलीफदेह है कि सर्दियों में तो एयर क्वालिटी और खराब हो जाती है। हमें चारों ओर से घेरते धूल और धुएं के गुबार को काबू करने के लिए कई मोर्चों पर प्रभावी कदम उठाने की दरकार है, पर ठंड के इस मौसम में प्रदूषण के वार से अपनी सेहत को बचाने के लिए छोटे-छोटे सहज से तौर-तरीके जरूर कारगर साबित हो सकते हैं।

स्वच्छता का रखें ध्यान

घर के बाहर सांस लेने लायक हवा को बनाए रखना मुश्किल है। लेकिन घर के भीतर साफ-सफाई का ध्यान रखकर हवा को शुद्ध रखा जा सकता है। इसके लिए इन दिनों जितना अधिक संभव हो अपने घर की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने चाहिए। इससे बाहर की धूल, धुआं और प्रदूषक तत्व घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। साथ ही सफाई के लिए ज्यादा झाड़-पोंछ भी न करें। ठंड से राहत पाने के लिए घर के भीतर कोयला आदि जलाने से भी बचें। घर के भीतर हवा शुद्ध करने वाले पौधे यानी एयर प्यूरीफाइंग प्लांट्स लगाना भी काफी कारगर उपाय हो सकता है।

इन उपायों पर भी करें अमल

बार-बार अच्छे से हाथ भी धोते रहें। खासकर जब घर के बाहर से आएं तो अच्छे से हाथ धोना जरूरी है। हाथों को साफ रखने की यह सजगता स्किन पर जमे प्रदूषण के कण यानी पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) को हटाने के लिए बहुत जरूरी है। असल में पीएम कण हवा में मौजूद सूक्ष्म ठोस कण या तरल बूंदें होती हैं। ये कण सांस के जरिए तो शरीर में जाते ही हैं, गंदे हाथों से खाना खाने और शरीर के दूसरे अंगों को छूने पर भी नुकसानदेह साबित होते हैं। यहां तक कि स्किन इंफेक्शन होने का भी खतरा रहता है। इन दिनों गरम पानी से गरारे कर गले को साफ करने की एक्टिविटी को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इससे भी हवा में मिले धूल और धुएं के कणों के शरीर में पहुंचने पर बहुत हद तक काबू पाया जा सकता है।

रेग्युलर एक्सरसाइज करना है बहुत फायदेमंद

ठंड के मौसम में शारीरिक सक्रियता से दूरी न बनाएं। हालांकि स्मॉग से ढंकी सुबह या शाम कसरत करने के लिए सही नहीं पर घर के अंदर योगाभ्यास, ट्रेडमिल, इंडोर साइक्लिंग आदि के जरिए खुद को एक्टिव रखें। विशेष रूप से सुबह और शाम के समय हवा की गुणवत्ता अनहेल्दी हो तो स्वास्थ्य जोखिम बढ़ाने वाली होती है। ऐसे में प्रदूषण के समय घर के बाहर जाकर एक्सरसाइज करने के बजाय, घर के अंदर ही व्यायाम, योग या किसी भी तरह की कसरत करना सही रहता है।

ये एक्टिविटीज करने से बचें

प्रदूषित हवा में तेज दौड़ने या हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज जैसे जंप स्क्वैट्स, माउंटेन क्लाइंबर्स, स्प्रिंट्स और पुश-अप्स जैसे व्यायाम करने से बचें। असल में हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज करते हुए व्यक्ति बहुत तेज और गहरी सांस भरता है। इस कंडीशन में समझना मुश्किल नहीं कि सामान्य की तुलना में फेफड़ों में ज्यादा प्रदूषक तत्व पहुंचते हैं। तकनीकी सुविधाओं के इस दौर में कसरत के लिए बाहर निकलने से पहले अपने क्षेत्र की एयर क्वालिटी यानि एक्यूआई को भी जांचें। पार्क में सैर या सहज रूप से वॉक पर जाने के लिए अच्छी क्वालिटी के मास्क का उपयोग करना भी आपकी सेहत सहेजने में मददगार बनेगा।

खान-पान भी हो पौष्टिक

शरीर की अच्छी रोग प्रतिरोधक क्षमता, प्रदूषण से लड़ने में भी मदद करती है।

इसीलिए इन दिनों फल और सब्जियों का भरपूर मात्रा में सेवन करें। परंपरागत रूप से भी इन दिनों खाया जाने वाला भोजन इम्यूनिटी बढ़ाने वाला ही लेना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां, मोटे अनाज, घी, आंवला आदि का सेवन अधिक करें। ऐसी सभी चीजें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती हैं। खासकर विटामिन-सी के सेवन से शरीर को मिलने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाते हैं। इसके लिए संतरा, गाजर और आंवला जैसे फल जरूर खाएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होगी और प्रदूषण के दुष्प्रभावों का सामना करने की शक्ति आपके भीतर उत्पन्न होगी।

इनका सेवन है लाभकारी

ठंड के मौसम में तुलसी, अदरक, कच्ची हल्दी या दूसरी हर्बल चीजों से बनी चाय भी गले को साफ रखने में मदद करती हैं। साथ ही सूप, दूध और नीबू-शहद का गर्म पानी जैसे गर्म पेय प्रदूषण और स्मॉग के असर को कम करने में मददगार बनते हैं। इन ड्रिंक्स के साथ दालचीनी, काली मिर्च और सोंठ जैसे मसालों का संतुलित मात्रा में उपयोग करना तो इन्हें स्वास्थ्य रक्षा करने वाले पेय पदार्थ बना देता है। साथ ही इनके नियमित सेवन से आपका शरीर हाइड्रेटेड भी रहता है। यहां बताए गए परंपरागत तौर-तरीकों और मौजूदा समय की जरूरत के अनुसार जागरूकता का यह मेल प्रदूषण के घेरे में भी बहुत हद तक आपका स्वास्थ्य सहेजने में सहायक होगा। *

कब्ज की समस्या से ऐसे मिलेगा छुटकारा

पाचन तंत्र के बिगड़ने से कब्ज की समस्या होती है। इससे बचाव के लिए जीवनशैली और खान-पान की आदतों में सुधार करना जरूरी है। कब्ज जागरूकता माह (दिसंबर) के अवसर पर आपको इस बारे में दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. दीपक भंगाले
गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई

वास्तव में कब्ज अपने में कोई बीमारी नहीं है लेकिन यह पाचन तंत्र संबंधी कई स्वास्थ्य समस्याओं को बुलावा दे सकती है।

कभी-कभार होने वाली कब्ज की समस्या विभिन्न उपायों पर अमल करने से दूर हो जाती है, लेकिन अगर कब्ज की समस्या काफी दिनों तक लगातार बनी रहती है तो उसे पुराना कब्ज (क्रॉनिक कॉन्स्टिपेशन) कहा जाता है। ऐसा कब्ज व्यक्ति के स्वास्थ्य और उसके जीवन की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर डालता है। इसलिए कब्ज को हल्के में लेना सही नहीं है।

इसलिए होता है कब्जः कब्ज होने की कई वजहें हो सकती हैं। भोजन में साबुत अनाजों के स्थान पर मैदा निर्मित खाद्य पदार्थों को वरीयता देना, जीवनशैली में शारीरिक श्रम और व्यायाम को महत्व न देना और जंक फूड्स और चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थों को आहार में वरीयता देना, पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना, फाइबर युक्त डाइट (जैसे- फल, ड्राई फ्रूट्स, हरी सब्जियां और बींस आदि) कम लेना या फिर न लेना, एक निश्चित समय पर भोजन न करना, देर रात खान-पान। अकसर तनावग्रस्त या चिंतित रहने वाले लोग कब्ज के शिकार होते हैं, क्योंकि तनावपूर्ण स्थिति में जो हार्मोन रिलीज होते हैं, वे आंतों के मूवमेंट पर प्रतिकूल असर डालते हैं। उम्र बढ़ने के साथ खासकर वृद्धों में आंतों का मूवमेंट स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। हाइपर थायरॉइडिज्म होना या फिर शरीर में हार्मोंस का असंतुलन। लिवर या पेट से संबंधित किसी बीमारी से ग्रस्त होना। मधुमेह की समस्या भी कब्ज उत्पन्न कर सकती है। गर्भवती महिलाएं और ऐसी महिलाएं जिनकी गायनेकोलॉजिकल सर्जरी हो चुकी है, उनके पेट की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण वे अकसर कब्ज की समस्या से ग्रस्त हो सकती हैं। रक्त में कैल्शियम की मात्रा कम होना, धूम्रपान, मद्यपान या फिर अन्य मादक पदार्थों का सेवन करना, रोज लगभग 6 से 8 घंटे की गहरी नींद न लेना, कुछ एंटीबायोटिक्स और पेनकिलर्स लेने वालों में कब्ज की समस्या

उत्पन्न कर सकते हैं। भूख से कम मात्रा में खाना। स्वाद के फेर में भूख न होने के बावजूद कई बार खाना-पीना। डाइटिंग करना। रात में खाने के तुरंत बाद सोना।

कब्ज के लक्षणः ये लक्षण कब्ज के हो सकते हैं।

- पेट का फूलना और पेट दर्द।
- भूख न लगना।
- पेट में गैस बनना या भारीपन होना।
- मल के बहुत कड़ा हो जाने के कारण टॉयलेट सीट पर बैठकर पेट पर बहुत ज्यादा जोर लगाना।
- आलस्यग्रस्त होना।
- किसी कार्य में मन न लगना।
- 7 से 8 घंटे की नींद न ले पाना।
- सिर दर्द होना या सिर भारी होना।
- जीभ के ऊपर सफेद या मटमैली परत होना, छाले पड़ना।
- थकान या कमजोरी महसूस करना।
- चक्कर आना या जी मिचलाना।
- सीने में जलन महसूस करना।

पुराने कब्ज से होने वाली जटिलताएंः इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कब्ज की पुरानी समस्या (क्रॉनिक कॉन्स्टिपेशन)बवासीर के अलावा गुदा संबंधी अन्य रोगों जैसे भगंदर और फिसर के जोखिम को बढ़ा देती है। इससे आंतों में एक विशेष प्रकार का उभार (बल्ज) बन जाता है, जिसे मेडिकल भाषा में 'आउटपाउचिंग' कहते हैं। ऐसी स्थिति में आंतों में संक्रमण हो सकता है या फिर ये सिकुड़ सकती हैं। कई लोग डॉक्टर के परामर्श के बगैर कब्ज दूर करने वाली दवाएं लैक्सेटिव्स या जुलाब लेने लगते हैं। ऐसी दवाओं के साइड या आफ्टर इफेक्ट्स हो सकते हैं। अकसर लोग लैक्सेटिव्स के आदी बन जाते हैं। पुराने कब्ज की समस्या आंतों या कोलन कैंसर का कारण बन सकती है।

ऐसे होगी रोकथामः उपरोक्त जिन कारणों से कब्ज उत्पन्न होता है, उन कारणों को दूर करना ही कब्ज की रोकथाम करना है। जैसे- जंक फूड्स से परहेज करें। अपने आहार में फाइबर्स (मौसमी फलों, हरी पत्तेदार सब्जियों और बींस) को वरीयता दें।

अपनी शारीरिक क्षमता और उम्र के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करें। व्यायाम करने से पूर्व अपने डॉक्टर और फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लेना हितकर है। प्यास लगने के अलावा भी पानी पीने की आदत डालें। कोई भी मौसम हो लगभग 2 लीटर पानी और तरल पदार्थ जैसे सूप आदि लें। कब्ज दूर करने में पपीता किसी वरदान से कम नहीं। इसके अलावा अमरूद, संतरा और सेब पौष्टिक होने के साथ कब्ज दूर करने में भी सहायक हैं। भूख से कम भी न खाएं और भूख से ज्यादा भी न खाएं। भोजन को अच्छी तरह चबाकर तरल रूप में निगलें। देर रात भोजन से परहेज करें। रात में भोजन करने के बाद तुरंत न सोएं। सोने से पूर्व लगभग 200-250 कदम टहलें। मैदा और अत्यधिक चिकनाईयुक्त आहार के स्थान पर साबुत अनाजों को वरीयता दें।

उपचारः कब्ज की गंभीर और जटिल स्थिति में डॉक्टर कुछ समय के लिए दवाएं, लैक्सेटिव्स देते हैं। प्रत्येक रोगी की समस्या के मद्देनजर उसके लक्षणों के आधार पर इलाज सुनिश्चित किया जाता है। जैसे पेटदर्द और सिरदर्द आदि के लिए अलग-अलग दवाएं देते हैं। लेकिन कभी भी कोई दवा अपने मन से नहीं लेनी चाहिए। कब्ज खासकर पुराने कब्ज की समस्या दूर करने में एनिमा लेना अत्यंत लाभप्रद है। आंतों में एकत्र मल की सफाई करने में एनिमा काफी कारगर है, लेकिन एनिमा लेने से पहले चिकित्सक से परामर्श लें। कब्ज की समस्या का स्थाई इलाज सकारात्मक जीवनशैली में निहित है। सकारात्मक जीवनशैली के अंतर्गत प्रमुख तौर पर समुचित शारीरिक श्रम, नियमित व्यायाम और उपयुक्त खानपान को शामिल किया जाता है। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

वंदे मातरम को पूर्ण करो

क्या राष्ट्रगीत वंदे मातरम को गाना अथवा बोलना बाध्यकारी है? क्या उसे जबरन किसी समुदाय पर थोपा जा सकता है? क्या वंदे मातरम को काट-छांट कर उसके साथ विश्वासघात किया गया? राष्ट्रगीत को अपमानित किया गया? क्या राष्ट्रगीत की आत्मा को खंडित किया गया? मौजूदा संदर्भों में सरकार और संसद क्या राष्ट्रगीत की मौलिक गरिमा बहाल कर सकती हैं? क्या वंदे मातरम को अब संपूर्ण रूप दिया जा सकता है और उसे संवैधानिक मान्यता मिल सकती है? हमें लगता है कि आज का प्रासंगिक सवाल यही है। गीत की संपूर्णता ही वंदे मातरम को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। संसद में वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में चर्चा की गई थी। लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी और राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने चर्चा का आगाज किया। संविधान सभा ने वंदे मातरम को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया और गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर के जन गण मन.. को राष्ट्रगान का सम्मान दिया गया। दोनों की स्थिति संवैधानिक है, लिहाजा स्वीकार्य और अनिवार्य भी है। जबरन अथवा बाध्य करने का सवाल या संदेह नहीं किया जाना चाहिए। ये गीत राष्ट्रीय हैं, लिहाजा धार्मिक, मजहबी आस्थाओं से ऊपर हैं। संविधान के अनुच्छेद 19 में हमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार मिला है, तो अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। ये दोनों गीत भी संवैधानिक उसी तरह हैं, जिस तरह तिरंगा भारत के प्रत्येक हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, तमिल, कन्नड़, तेलुगू से लेकर पूर्वोत्तर के निवासी तक के लिए राष्ट्रीय ध्वज है। वंदे मातरम हमारे देश की आजादी के आंदोलन का गीत था। महात्मा गांधी ने उसे एकता, प्रेरणा और ऊर्जा का गीत माना था। आजादी के आंदोलनों के दौरान वंदे मातरम मुस्लिम क्रांतिवीरों का भी गीत था। उर्दू अखबारों ने भी वंदे मातरम की स्तुति में बहुत कुछ लिखा और छापा था। यदि मुस्लिमवादी नेता जिन्ना ने वंदे मातरम को मुसलमानों की भावनाओं के खिलाफ करार दिया और तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू को उनकी मांग के सामने झुकना पड़ा और वंदे मातरम के छंद काट दिए गए। हमारा मानना है कि उस अध्याय को आज विस्मृत कर देना चाहिए।

वह आज प्रासंगिक भी नहीं है। भारत को आजाद हुए 78 लंबे साल बीत चुके हैं। भारत का अपना संविधान, संवैधानिक व्यवस्था, संसद और केंद्र-राज्य सरकारें हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में कहा कि वंदे मातरम के साथ विश्वासघात किया गया। तत्कालीन मुस्लिम लीग के सामने कांग्रेस ने घुटने टेक दिए। वंदे मातरम के टुकड़े कर दिए गए, वहीं से देश के विभाजन का बीज बो दिया गया। जिन्ना की आपत्ति पर आजादी के आंदोलन, बलिदान, त्याग, तपस्या, एकता, प्रेरणा और ऊर्जा के गीत को खंडित कर दिया गया। नई पीढ़ी को यह विभाजनकारी और नकारात्मक इतिहास पढ़ाने से भी हासिल क्या होगा? उस अतीत पर प्रलाप करके भी कुछ हासिल नहीं होने वाला है। राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने सभापति सीपी राधाकृष्णन को पत्र लिख कर यह खुलासा किया कि कौन सांसद और राजनीतिक दल वंदे मातरम को गाने के खिलाफ हैं। वे धार्मिक तौर पर इस गीत को स्वीकार नहीं कर सकते, क्योंकि इसमें देवी-देवताओं और कमल के फूल का उल्लेख है। खासकर मुसलमान मूर्ति-पूजा के खिलाफ हैं। वे अल्लाह के अलावा किसी और के सामने झुक नहीं सकते और न ही इबादत कर सकते हैं। क्या इसी आधार पर राष्ट्रीय प्रतीकों और गीतों को खारिज किया जा सकता है? दरअसल इन तमाम दलीलों को छोड़ भी दें, तो यह सवाल सामने है कि अब भारत सरकार वंदे मातरम के लिए क्या कर सकती है? क्या सत्ता पक्ष संसद में संविधान संशोधन पेश करके, वंदे मातरम के सभी छह छंदों को एकजुट करके, राष्ट्रगीत की मान्यता दिला सकता है? जो काटा-छांटी की गई, वह 1937 का दौर था। आज 2025 में भारत विश्व की एक महाशक्ति है। क्या वंदे मातरम उसी संपूर्ण रूप में देश के सामने लाया जा सकता है, जिस रूप में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने लिखा था और वह आजादी के संघर्ष का गीत बना? इस विषय पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए।

चुनाव सुधार अर्थात वोट चोरी

लोकसभा में चुनाव सुधार के मुद्दे पर बहस हुई, लेकिन कोई सुधार या संवैधानिक संशोधन सामने नहीं आया। सरकार की ओर से भी कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया कि अमुक सुधार किए जा सकते हैं। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक बहस थी। चुनाव सुधार की आड़ में वोट चोरी का आरोप संसद के भीतर गूंजता रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत, सांठगांठ से चुनाव जीते जाने का बेहद गंभीर आरोप चस्पां किया। उन्होंने मौजूदा चुनाव आयुक्तों को लगभग धमकी दी कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो आपको ढूंढ कर दंडित किया जाएगा, क्योंकि वोट चोरी के जरिए आपने लोकतंत्र-चोरी का काम कराया है।